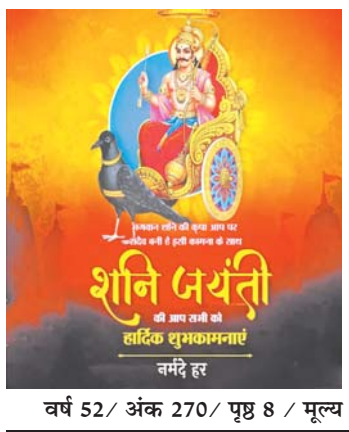

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 270/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 19 मई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

WORLD FAMILY DOCTOR DAY 19 MAY

सांध्यप्रकाश विशेष

मध्यप्रदेश, तीर्थ-यात्रियों को हवाई यात्रा कराने वाला देश का पहला राज्य

मुख्यमंत्री 21 मई को दिखाएंगे हरी झण्डी, 24 पुरूष और 8 महिलाएँ प्रयागराज दर्शन के लिये होंगी रवाना

भोपाल। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जो मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना में बुजुर्ग तीर्थ-यात्रियों को हवाई जहाज से तीर्थ-यात्रा कराने जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 21 मई रविवार को भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज के लिये तीर्थ-यात्रियों के इंडिगो विमान को हरी झण्डी दिखाएंगे। इसमें 24 पुरूष और 8 महिलाएँ प्रयागराज के दर्शन के लिये रवाना होंगे।

अपर मुख्य सचिव गृह एवं धर्मस्व डॉ. राजेश राजौरा ने मंत्रालय में तैयारियों की समीक्षा करते हुए बताया कि प्रदेश के बुजुर्ग तीर्थ-यात्रियों को रेल मार्ग से यात्रा कराने वाला पहला राज्य भी मध्यप्रदेश रहा है। अब मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश के बुजुर्गों को वायुयान से देश में पहली बार तीर्थ-दर्शन कराने जा रहे हैं। योजना में प्रदेश के 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वरिष्ठ नागरिक जो आयकर दाता नहीं है, लाभान्वित होंगे। पहली विमान यात्रा 21 मई को प्रातः 9:50 बजे भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज के लिये इंडिगो से प्रस्थान करेगी। प्रयागराज जाने वाले 32 तीर्थ-यात्रियों के साथ एक अनुरक्षक भी रहेगा।

हवाई मार्ग से तीर्थ-दर्शन करने वाले यात्री अपने साथ अधिकतम 15 कि.ग्रा का एक चेक इन बेग और 7 कि.ग्रा. वजन वाला हेंड बेग ले जा सकेंगे। तीर्थ-यात्रियों की सहायता के लिये भोपाल एयरपोर्ट पर एक काउंटर भी स्थापित किया जायेगा। तीर्थ-यात्री प्रयागराज में दर्शन कर सोमवार शाम तक वापस भोपाल लौट आएंगे। रेल मार्ग से तीर्थ-यात्रियों को तीर्थ-दर्शन करने में 4 से 5 दिन का समय लगता था। राज्य सरकार के द्वारा बुजुर्गों को हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाने से 24 से 36 घण्टे में यात्रा पूर्ण हो जाना बुजुर्गों के लिये सुविधाजनक हो जाएगा। संभागायुक्त मालसिंह भयड़िया, पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायण चारी, आयुक्त जनसम्पर्क मनीष सिंह, एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी सहित विभिन्न विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वायुयान से प्रथम चरण का तीर्थ-यात्रा कार्यक्रम

डॉ. राजौरा ने बताया कि वायुयान से मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना का प्रथम चरण भोपाल से 21 मई को प्रारंभ होगा। इसी क्रम में 23 मई को आगर-मालवा जिले के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 25 मई को बैतूल जिले के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन, 26 मई को देवास के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 3 जून को खण्डवा के तीर्थ यात्री इंदौर एयरपोर्ट से वाया कोलकाता गंगासागर, 4 जून हरदा के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज, 6 जून को मंदसौर के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 8 जून को नर्मदापुरम के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन, 9 जून को नीमच के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 15 जून को बड़वानी के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से वाया कोलकाता गंगासागर, 16 जून को इंदौर के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से वाया कोलकाता गंगासागर, 18 जून दमोह के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज, 19 जून को बुरहानपुर के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से वाया कोलकाता गंगासागर, 19 जून को रतलाम के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 20 जून को शाजापुर के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 22 जून को सागर के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन, 23 जून को खरगोन के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से वाया कोलकाता गंगासागर, 2 जुलाई को विदिशा के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज, 3 जुलाई को अलीराजपुर के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 4 जुलाई को राजगढ़ के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन, 6 जुलाई को सीहोर के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से वाया आगरा एयरपोर्ट मथुरा-वृंदावन, 7 जुलाई को धार के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी, 16 जुलाई को रायसेन के तीर्थ-यात्री भोपाल एयरपोर्ट से प्रयागराज, 19 जुलाई को झाबुआ के तीर्थ-यात्री इंदौर एयरपोर्ट से शिर्डी की यात्रा विमान से करेंगे।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शुरू

मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम की रणनीति पर विचार

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में शुरू हो गई है। इस बैठक में राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के सभी नेता मौजूद हैं। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 30 मई से 30 जून तक प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा पर भी चर्चा की जा रही है।

कार्यसमिति की बैठक में पार्टी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश सह प्रभारी डॉ. रामशंकर कठेरिया, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ, केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एवं वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं। बैठक में बूथ सशक्तीकरण अभियान, आजीवन सहयोग निधि और बूथ विजय संकल्प अभियान को लेकर समीक्षा की जाएगी। बूथ विजय संकल्प अभियान 4 मई से आरंभ हुआ है। इसमें दो शक्ति केन्द्र मिलाकर 10 से 12 बूथों पर कार्यकर्ताओं के साथ खेलना, भोजन करना, बातचीत करना और अन्य कई प्रकार के कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

21 मई को 57 जिलों में एक साथ होगी बैठक

मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी 21 मई को 57 जिलों में एक साथ एक ही दिन बैठक करेगी। प्रदेश में अब मंडलों की संख्या 1070 से बढ़कर 1078 हो गई है और इन मंडलों में 22 और 23 मई को बैठकें होगी। प्रदेश के 10915 शक्ति केन्द्रों पर 25 से 26 मई तक बैठक आयोजित की जाएंगी। बैठक संपन्न होने के बाद विशेष जनसंपर्क अभियान, प्रत्येक लोकसभा में प्रभावी लोगों से संपर्क, केन्द्रीय मंत्रियों और राष्ट्रीय पदाधिकारियों के प्रवास, प्रबुद्धजन सम्मेलन, लाभार्थी सम्मेलन एवं घर घर संपर्क जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट को मिले 2 जज, सीजेआई चंद्रचूड़ ने शपथ दिलाई

नई दिल्ली। शुक्रवार को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने 2 नए जजों को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में शपथ दिलाई। इनमें आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और एडवोकेट केवी विश्वनाथन शामिल थे। इसके साथ ही एक बार फिर

सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों का कोरम पूरा हो गया है।

अगस्त 2030 में केवी विश्वनाथन ही चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनेंगे। विश्वनाथन 24 मई 2031 तक, यानी 9 महीने से ज्यादा देश की टॉप कोर्ट का नेतृत्व करेंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 16 मई को सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट केवी विश्वनाथन और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाने के लिए केंद्र से सिफारिश की थी।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस केएम जोसेफ ने केंद्र को सिफारिश भेजी थी। उन्होंने कहा था- सुप्रीम कोर्ट में 34 जज होने चाहिए, लेकिन अभी केवल 32 जज ही हैं। कुछ जजों के रिटायरमेंट के बाद जुलाई के दूसरे हफ्ते तक केवल 28 जज ही बचेंगे। इसी वजह से पहले इन दो जजों की नियुक्ति की जाए।

हिरोशिमा में परमाणु अप्रसार के साथ ही व्यापार संबंधों पर होगी बात?

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्रित्व काल में हुए पोखरण परमाणु विस्फोटों के बाद पहली बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान के हिरोशिमा जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत जी7 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और मेहमान देशों के प्रमुखों को हिरोशिमा में उन परिवारों से भी मिलवाया जाएगा, जिनके परिजन परमाणु हमले के शिकार हुए थे। विदेशी मामलों के जानकारों का मानना है कि इसके पीछे जापान की एक मंशा यह भी हो सकती है कि वह प्रधानमंत्री मोदी के सामने हिरोशिमा में इमोशनल ग्राउंड पर परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की भूमिका बनाए।

हालांकि भारत पहले से ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह कहता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्य के लिए है। प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के दौरान भारत और जापान के बीच व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिहाज से नई उम्मीदें नजर आ रही है।

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरे पीएम हैं, जो हिरोशिमा पहुंच रहे हैं। विदेशी मामलों के जानकार और वरिष्ठ राजनयिक एसएन प्रकाश कहते हैं कि मोदी का जी-7 में शिरकत करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ रही महत्ता की निशानी ही है। वह कहते हैं कि बीते कुछ सालों में भारत ने जिस तरीके से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित देशों में धाक जमाते हुए समूची दुनिया में ख्याति अर्जित की है, उससे पूरी दुनिया की निगाहें भारत की ओर लगी हुई हैं।

संसद भवन से मध्यप्रदेश का संबंध

भारत की पुरानी संसद का डिजाइन मध्य प्रदेश के चौसठ योगिनी मंदिर के आधार किया गया था। इसी तरह भारत की नई संसद का डिजाइन भी मध्य प्रदेश के विदिशा के विजय सूर्य मंदिर के मॉडल पर तैयार किया गया है।

नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को करेंगे। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनी ये बिल्डिंग प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसका निर्माण जनवरी 2021 में शुरू हुआ था और इसे 28 महीने में बना लिया गया। नया संसद भवन पुरानी बिल्डिंग से 17 हजार स्क्वायर फीट बड़ा है। इत्तेफाक से इसी दिन विनायक दामोदर सावरकर की 140वीं जयंती भी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्हें नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। उद्घाटन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। नई बिल्डिंग के सिविल स्ट्रक्चर की सफाई शुरू कर दी गई है। इससे पहले 30 मार्च को प्रधानमंत्री नए भवन को देखने गए थे। वे यहां एक घंटे रुके और अधिकारियों से निर्माण की जानकारी ली थी।

सीखने के लिए मॉडल बना झाबुआ

झाबुआ सीखने के एक नए मॉडल का आधार बन गया है। IIT, NLU जैसे प्रमुख महाविधालयों के छात्र और

पारंपरिक ज्ञान से युक्त जनजाति युवा समग्र ग्रामविकास के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। झाबुआ के हज़ारों युवा जल, जंगल, जमीन, जानवर, जन और नवविज्ञान संवर्धन के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और दुनिया को अक्षय विकास का रास्ता दिखा रहे हैं । ग्रामीण इंटर्नशिप में शामिल हों और एक समृद्ध और जीवन बदलने वाले अनुभव का हिस्सा बनें ! व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें, वास्तविक भारत का अनुभव करें और जनजातीय सामाजिक नेताओं से सीखें।

कांग्रेस को बड़ा झटका महरिया ने भेजा खड़गे को इस्तीफा

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया आज राजधानी जयपुर में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेजा है। यह इस्तीफा महरिया ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी शेयर किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार घोषणापत्र के वादे भूल चुकी है। ऐसे में प्रदेश का किसान और युवा खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया ने लेटर लिखा है कि मेरे द्वारा कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के पश्चात असंख्य कार्यकर्ताओं के साथ जमीनी स्तर पर जी-तोड़ मेहनत की गई। जिसके परिणाम स्वरूप सीकर में पिछले चुनाव में सभी 8 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस पार्टी को सफलता प्राप्त हुई और प्रदेश में कांग्रेस नीत सरकार का गठन हुआ। हमारे द्वारा किसान व नौजवान को गांव-गांव, ढाणी-ढाणी जाकर विश्वास दिलाने का प्रयास किया गया कि कांग्रेस नीत सरकार का गठन होने पर कांग्रेस पार्टी द्वारा घोषणा पत्र में किए गए वादे शत प्रतिशत पूरे किए जाएंगे।

रिजिजू ने पृथ्वी विज्ञान मंत्री का कार्यभार संभाला, बोले- राजनीतिक बात नहीं करूंगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। इस दौरान रिजिजू ने

कहा कि ये मंत्रालय बहुत उपयोगी मंत्रालय है और यहां पर बहुत कुछ काम कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना है उसमें मैं देख सकता हूं कि इस मंत्रालय का बहुत बड़ा योगदान होगा। मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे अलग-अलग मंत्रालय में काम करने का मौका दिया। जब उनसे पूछा गया कि उनसे कानून मंत्रालय क्यों वापस ले लिया गया? तो उन्होंने कहा कि मैं आज राजनीतिक बात नहीं करूंगा, लेकिन मुझसे कोई गलती नहीं हुई। फेरबदल तो चलता रहता है।

समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के लिए पंजीयन की तारीख 31 मई तक बढ़ी

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में ग्रीष्मकालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पंजीयन की अवधि को बढ़ा दिया है। अब किसान 31 मई तक इसके लिए पंजीयन करा सकेंगे। पहले यह तारीख 19 मई तय की गई थी।

विपणन वर्ष 2023-24 में ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया 08 जून से शुरू हो चुकी है। ग्रीष्मकालीन मूंग उत्पादक किसान इसके लिए पंजीयन करवा सकते हैं। मध्य प्रदेश सरकार विगत दो वर्षों से समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी कर रही है। पिछले साल मॉर्केट में ग्रीष्मकालीन मूंग की बिक्री लगभग 4 हजार रूपये प्रति क्विंटल हो रही थी। वहीं सरकार ने समर्थन मूल्य पर 7 हजार 225 रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की थी।

प्रदेश के मूंग के अधिक उत्पादन वाले 32 जिलों में पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। इंदौर सहित नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, रायसेन, हरदा, सीहोर, जबलपुर, देवास, सागर, गुना, खंडवा, खरगोन, कटनी, दमोह, विदिशा, बड़वानी, मुरैना, बैतूल, श्योपुरकलां, भिंड, भोपाल, सिवनी, छिंदवाड़ा, बुरहानपुर, छतरपुर, उमरिया, धार, राजगढ़, मंडला, शिवपुरी, अशोकनगर, बालाघाट में पंजीयन केन्द्र खोले गए हैं।

माउंट एवरेस्ट बेस कैम्प में भारतीय महिला की मौत

नई दिल्ली। माउंट एवरेस्ट फतह करने की जिद ने एक भारतीय महिला की जान ले ली। महाराष्ट्र की रहने वाली 59 साल की सुजैन लियोपोल्डिना जीसस को पेसमेकर लगा था। लेकिन वह इसी फिजिकल कंडीशन के साथ एवरेस्ट पर चढ़ाई का रिकॉर्ड बनाना चाहती थी। बेस कैम्प से महज 250 मीटर की चढ़ाई करने में उसे 12 घंटे का समय लगा। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। 18 मई को लुकला के हॉस्पिटल में उसने दम तोड़ दिया। पिछले 3 दिनों में यह चौथी घटना है। मार्च से शुरू हुए मौजूदा सीजन के दौरान अब तक माउंट एवरेस्ट पर 8 चीनी और भारतीय पर्वतारोहियों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल 175 पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट पर चढ़ रहे हैं।

मप्र में प्याज के दामों ने किसानों को रुलाया, कांग्रेस ने बनाया सियासी मुद्दा

शाजापुर। प्याज एक ऐसी चीज हैं जिसका इस्तेमाल किए बिना सब्जी का स्वाद फीका लगता है, लगभग हर डिश के लिए प्याज की जरूरत पड़ती है,लेकिन आपके जायके का स्वाद बढ़ाने वाले प्याज ने इस बार किसानों की आर्थिक रुप से सेहत बिगाड़ दी है। मध्यप्रदेश में लगातार गिरते प्याज के दाम ने किसानों की आंखों से आंसू निकाल दिए है।

प्रदेश में गिरते प्याज के दामों को कालापीपल कांग्रेस विधायक ने एक बार फिर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। कुणाल चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी है, वही उन्होने प्रदेश की भाजपा सरकार को निर्दयीय सरकार बताया। बहरहाल देखना होगा की पहले प्रकृति की मार और फसलों के गिरते दामों से नाराज किसानों को प्रदेश सरकार किस तरह से राहत दे पाती है।

मध्यप्रदेश में किसानों की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। कभी बेमौसम बारिश तो कभी फसलों के गिरते दाम प्रदेश के अन्नदाताओं की कड़ी परीक्षा लेने में जुटे है। प्याज के गिरते दामों से किसान परेशान हैं,लागत की आधी रकम भी निकालना मुश्किल हो गया है,जहां खंडवा में किसानों को जब मंडी में प्याज के औने-पौने दाम मिलते हुए नजर आए तो उन्होंने यहां बेचने की बजाय प्याज फ्री में बांटना उचित समझा। वही बात करें शाजापुर जिले के पोलायकलां मंडी की तो यहां प्याज बेचने आए किसानों के चेहरे पर प्याज का सही दाम नहीं मिलने की हतासा साफ झलक रही थी। किसानों का कहना है की प्याज के गिरते दामों के कारण उनकी लगात भी नहीं निकल रही है।

संत हिरदाराम नगर की बेटियों ने देखी द केरल स्टोरी फिल्म

कहा-जागरूक करती है फिल्म, सिंधी महिला पंचायत ने निःशुल्क दिखाई फिल्म

संत हिरदाराम नगर। सिंधी महिला पंचायत एवं सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के सयुक्त तत्वावधान में संगम सिनेप्लेक्स में सैकडो की संख्या में महिलाओं को द केरल स्टोरी फिल्म का शो नि:शुल्क दिखाया गया। इस अवसर पर महिला पंचायत की अध्यक्ष किरण वाधवानी ने कहा कि पंचायत ने महिलाओं और युवतियों को जागरूक करने के उद्देश्य से इस शो का आयोजन किया है।

इस फिल्म में लड़कियाँ झूठे प्रेम के जाल में फंसकर अंधेरी दुनिया में पहुंच जाती हैं। जिससे उनकी जिंदगी नरक बन जाती है। देश विरोधी कृत्यों में उन्हें फंसा दिया जाता है। द केरला स्टोरी एक फिल्म नहीं बल्कि महिलाओं को जागरूक करने का एक माध्यम है। पूरे देश की लड़कियो को इस फिल्म को जरुर देखना चाहिए। इस अवसर पर पंचायत की मधु ललवानी, काउंसिल के अध्यक्ष राजेश बेलानी और महिला पंचायत की महिला सदस्य मौजूद थीं।

एक दर्जन खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग के छापे, लिए नमूने

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन के द्वारा गुणवत्ता की जांच हेतु खाद्य सामग्री एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने एकत्र किये गये।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाही के दौरान इन्द्रा मार्केट रविशंकर नगर स्थित शर्मा रेस्टोरेंट से सोयाबीन तेल खुला एवं चाय पत्ती खुली के नमूने एवं बॉम्बे टी स्टाल से बेसन खुला एवं रिफाइंड सोयाबीन तेल खुले के नमूने एकत्रित किये गये । उक्त प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थो का निर्माण / विक्रय एवं संग्रह अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था, जिन पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम की धारा 56 के तहत कार्यवरही की जावेगी इसके अतिरिक्त अशोका गार्डन स्थित दी कैफे टाउन, नाईस रेस्टोरेंट, महावीर डेयरी पर अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण / संग्रह एवं विक्रय किया जा रहा था एवं महावीर डेयरी से मावा तथा मलाई कतली के नमूने एकत्रित किये गये। उक्त प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थो का निर्माण / विक्रय एवं संग्रह अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था, जिन पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम की धारा 56 के तहत कार्यवाही की जावेगी । अशोक डेयरी से घी तथा दही के नमूने लिये गये तथा सिगड़ी फास्ट फूड एवं रेस्टोरेंट पर मौके पर खाद्य पंजीयन नहीं पाया गया । उक्त कार्यवाही खाद्य सुरक्षा प्रशासन जिला भोपाल एवं पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त टीम द्वारा की गई ।

150 वरिष्ठ समाज सेवियों को मीना रत्न सम्मान से किया सम्मानित

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मीना समाज मंदिर ट्रस्ट अचारपुरा द्वारा मंदिर प्रांगण में समाज के 150 वरिष्ठ समाज सेवियों को मीना रत्न एवं स्व. जगन्नाथसिंह मीना स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथिगणों में सूरजसिंह मारण , के.एस.मारन , वीपी मारन (पूर्व संयुक्त आयुक्त पंजीयन), जगदीश मीना (अध्यक्ष मीना समाज), मखमलसिंह मीना (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष), राजेंद्र सिंह मीना, डॉक्टर रजनीश मारन , लीलेंद्र सिंह मारन, संतोष मीना, शेरू मीना , देशराज मीना , रघुवीर मीना, मोहनसिंह मीना , अमरसिंह मारन (से. नि. शिक्षक) , हरीश कुमार मारन (शिक्षक),उत्तम सिंह मारन (शिक्षक) सहित काफी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष विक्रम सिंह मीना ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण सन 1678 में वीरभान सिंह मीना द्वारा कराया था तथा जगन्नाथ सिंह जी मीना (सूखी सेवनिया) द्वारा ट्रस्ट का गठन कराकर श्री रामलीला कार्यक्रम , पशुमेला एवं रथ यात्रा आदि कार्यक्रम प्रारंभ कराए।

सवा करोड़ से होगा ईदगाह हिल्स की सड़कों का डामरीकरण

विकास की तेज रफ्तार के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा की डबल इंजन सरकार : आलोक शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

वार्ड क्रमांक 10 ईदगाह हिल्स छेत्र में पूर्व महापौर आलोक शर्मा, मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा , पार्षद सरोज आसेरी,पूर्व पार्षद महेश मकवाना ने समाज के वरिष्ठजनों के साथ 1करोड़ 25 लाख की लागत से होने जा रहे सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर पूर्व महापौर आलोक शर्मा ने कहा विकास की तेज रफ्तार के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा की डबल इंजन सरकार, इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया 2020 में तत्कालीन महापौर आलोक शर्मा जी ने हमारे द्वारा छेत्र वासियों के साथ मांग की थी ईदगाह हिल्स के विभिन्न रोड़ों का निर्माण कार्य करवाया जाए , उन्होंने ईदगाह हिल्स के प्रभु नगर, नीलकंठ कॉलोनी, रिज रोड ,राम नगर मिनी कालोनी के विभिन्न रोड़ों की डामरीकरण कार्य निर्माण हेतु 1 करोड़ 25 लाख की राशि स्वीकृत की थी, कोरोना के कारण काम प्रारंभ ना हो सका,पूर्व पार्षद महेश मकवाना, वर्तमान पार्षद सरोज आसेरी, मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने पूर्व महापौर आलोक शर्मा, महापौर मालती राय से बात कर

दोबारा टेंडर लगवाकर उन सभी कार्यों को प्रारंभ करवाया। ईदगाह हिल्स के मार्गो के डामरीकरण कार्य निर्माण प्रारंभ करवाने हेतु सभी ईदगाह वासियों ने पूर्व महापौर आलोक शर्मा,महपोर मालती राय, मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा,पार्षद सरोज आसेरी, पूर्व पार्षद महेश मकवाना का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर एम आई सी सदस्य,पार्षद मनोज राठौर, वरिष्ट नेता हरिओम आसेरी, विकास सोनी, दीपक राजानी, दीपक खेमानी, मनीष रामनानी, राजेश जोधवानी,उपाध्यक्ष नरेंद्र ठाकुर, राजा शर्मा, आलोक भदौरिया, मंडल मंत्री राजकुमारी डागोर, शुभम श्रीवास, पी सी कनर्जी, वार्ड संयोजक सुनील नीलकंठ, संदीप कल्याणे, निक्की ठाकुर, चंदू यादव उपस्थित थे।

भोपाल। सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कृष्ण प्रताप सिंह राजपूत को जिला पंचायत में सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

नवविवाहिता की तबीयत बिगड़ी तो हुआ फूफा द्वारा यौन शोषण किए जाने का खुलासा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

राजधानी के निशात पूरा थाना क्षेत्र में काफी समय से अपने साले की लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में फूफा और बुआ पर दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर आरोपीतों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने गर्भ ठहर के बाद शिकायत की । वहीं जब पीड़िता ने फूफा की इस दरिंगी के संबंध में बुआ को बताया तो उसने पीड़िता पर चरित्र हनन का आरोप लगाते हुए कई और लड़कों से उसके शारीरिक संबंध बनवाए। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार एक नव विवाहिता के द्वारा अपने ही सगे फूफा पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है । 20 वर्षीय युवती की चंद दिनों पहले शादी हुई है। शादी के कुछ दिन बाद ही वह बीमार हो गई। चिकित्सकों के पास ले जाने पर पता चला कि उसका हीमोग्लोबिन बहुत कम है। शारीरिक कमजोरी का कारण पूछने पर पता चला कि शादी से पहले वह जिस बुआ के साथ रही थी, उसका पति यानी फूफा युवती का वर्षों से शारीरिक शोषण कर रहा था। दरिंदगी सहन करने से मना करने पर फूफा पीटता भी था। पीड़िता का आरोप है कि फूफा की इस दरिंगी के संबंध में जब युवती ने बुआ को बताया तो उसने पीड़िता पर चरित्र हनन का आरोप लगाते हुए कई और लड़कों से उसके शारीरिक संबंध बनवाए। बुआ इसके बदले शारीरिक संबंध बनाने वाले युवकों से पैसे भी ऐंठे हैं।

यह सनसनीखेज खुलासा होने के बाद पुलिस ने फूफा और बुआ के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला निशातपुरा थाना क्षेत्र का है। निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि 20 वर्षीय युवती की हाल ही में शादी हुई है।

बीमार होने पर उसने पुलिस को बयान दिए और गंभीर आरोप लगाए। उसी के आधार पर फूफा और बुआ को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, अन्य युवकों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की पुलिस जांच कर रही है। पीड़िता अस्पताल में भर्ती है। दुबे ने बताया कि गरीब परिवार की लड़की होने के कारण उसके परिजनों ने बुआ के यहां रहने के लिए भेजा था। वह कई साल से बुआ के यहां रह रही थी। युवती के परिजनों को भी बुलाया गया है।

दसवीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर किया सम्मान

भोपाल। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश द्वारा बिटिया गौरी श्रीवास्तव पुत्री शिवेश श्रीवास्तव आनंद नगर सागर होम्स का सम्मान किया गया इन्होंने दसवीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है आगे भी जो भी समाज के छात्र-छात्राएं जिन्होंने अच्छे अंको से बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करी है उनको सम्मानित किया जाएगा आज के सम्मान समारोह में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ कपिल श्रीवास्तव ,युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव प्रशांत श्रीवास्तव, युवा प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी सदस्य कनिष्क श्रीवास्तव, तरुण श्रीवास्तव , कार्यकारिणी सदस्य साकेत श्रीवास्तव, उपस्थित रहेद्य

श्रीमती प्राची श्रीवास्तव व अन्य द्वारा नगर निगम के विरूद्ध दायर याचिकाएँ खारिज

भोपाल। दशम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड भोपाल श्रीमान राजकुमार तोरनिया द्वारा श्रीमती प्राची श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, एम.एस.कुशवाह, हरिशंकर यादव, मुकेश प्रसाद एवं घनश्याम ठाकुर द्वारा नगर निगम एवं विकास कुंज सहकारी गृह निर्माण समिति परमानंद तोलानी, एच.सी.तोमर, त्योफिल तिग्गा, पंजीयक कार्यालय उपायुक्त सहकारिता म0प्र0 शासन के विरूद्ध दायर याचिका को खारिज कर दिया। प्रकरण संक्षप्ति में इस प्रकार है कि सभी निवासी भावना नगर सांई बाबा मंदिर के पास टनाटन ढाबे के पीछे, अयोध्या बायपास रोड में निवास करते है एवं उनका यह कहना है कि विकास कुंज सहकारी समिति द्वारा अभिन्यास के अनुसार कार्य नहीं किया गया है इस कारण भावना नगर कालोनी में स्थित सार्वजनिक भूमियों को सुरक्षित रखे जाने एवं उन्हें विक्रय तथा अंतरण करने से रोके जाने हेतु वाद प्रस्तुत किया था। नगर निगम की ओर से विधि सलाहकार संजय गुप्ता द्वारा माननीय न्यायालय से निवेदन किया गया था कि जितने भी साक्षी हुये है सभी ने प्रतिपरीक्षण में यह कहा है कि विकास अनुज्ञा नगर निगम द्वारा नहीं दी गयी है एवं किसी भी साक्षी ने नगर निगम द्वारा जारी स्वीकृत मानचित्र या भवन अनुज्ञा प्रस्तुत नहीं की गयी है एवं बाकी सब प्रतिवादी एकपक्षीय है। न्यायालय द्वारा यह देखते हुये कि वादीगण यह प्रमाणित करने में असफल रहे हैं कि प्रतिवादीगण विवादित की भूमियों को विक्रय करने हतु प्रयासरत है इस कारण नगर निगम व अन्य के विरूद्ध याचिका खारिज की जाती है।

एलएनसीटी का 6वां इंजीनियर ओलंपिक्स पुरस्कार वितरण समारोह हुआ

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी रायसेन रोड भोपाल स्थित रामानुजन ऑडिटोरियम में 6वां इंजीनियर ओलंपिक खेलों का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम किया गया विगत माह दूधिया रोशनी में तीन दिवसीय तक आयोजित इंजीनियर्स ओलंपिक में विभिन्न खेल कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, शतरंज, टेबल टेनिस,एथलेटिक्स,कैरम, रस्साकशी एवं गली क्रिकेट इत्यादि खेलों का भव्य आयोजन किया गया था, के विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयदेव शर्मा विश्वामित्र अवॉर्डी, जलज चतुर्वेदी खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायसेन, डॉ अशोक राय डीन एडमिनिस्ट्रेशन एलएनसीटी, पंकज जैन स्पोर्ट्स डायरेक्टर एलएनसीटी,प्रियांशु पांडे विक्रम अवॉर्डी शूटिंग,सृष्टि मिश्रा अंतरराष्ट्रीय शूटर द्वारा सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरआत में अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एथलेटिक्स पुरुष वर्ग में 100 मीटर दौड़ में अल्बर्ट एन रेजे प्रथम एवं आर्यन नायक द्वितीय स्थान, 200 मीटर दौड़ में अल्बर्ट एन रेजे प्रथम एवं आर्यन नायक द्वितीय स्थान, 400 मीटर

दौड़ में आर्यन प्रथम एवं रितिक द्वितीय, शॉट पुट में शिवम मिश्रा प्रथम एवं संस्कार सेंगर द्वितीय ,डिस्कस थ्रो में शिवम मिश्रा प्रथम एवं तनय शिवहरे ने दूसरा स्थान,जैवलिन थ्रो में सूजय प्रथम एवं अरविंद दूसरे स्थान, महिला वर्ग में 100 मीटर दौड़ में हिमांशी प्रथम एवं वंशिका दूसरे स्थान, 200 मीटर दौड़ में वंशिका प्रथम एवं अपूर्वा दूसरे स्थान, शॉट पुट में सोनिका जयसवाल प्रथम एवं कृतिका प्रजापति दूसरा स्थान, डिस्कस थ्रो में सोनिका जयसवाल प्रथम ,सौम्या सोनी दूसरे स्थान, जैवलिन में सोनिका जयसवाल प्रथम ,सौम्या सोनी दूसरे स्थान, टेबल टेनिस महिला सिंगल्स में बीपीईएस की अर्चिता दुबे प्रथम एवं आरुषि पांडे दूसरे स्थान , टेबल टेनिस पुरुष वर्ग के सिंगल में ओआईएसटी के मिहिर प्रथम एवं एलएनसीटी के यश दूसरे स्थान, शतरंज महिला वर्ग के मुकाबले में प्राची शर्मा प्रथम एवं खुशी गुप्ता द्वितीय स्थान, कैरम महिला वर्ग में पलक प्रथम एवं आरची द्वितीय स्थान खिलाड़ियों को मेडल ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

भिंड पुलिस ने 14 माह के अपहृत बालक को 9 घंटे में खोजकर परिजन को सौंपा

पुलिस की कार्रवाई से घबराकर अपहरणकर्ता बच्चे को खेत में छोड़कर हुए फरार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने और जनता की सहायता के लिए सक्रियतापूर्वक कार्य कर रही है। डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में नागरिकों की सुरक्षा और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश की भिंड पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 14 माह के बालक को महज 9 घंटे में सकुशल परिजन को सौंप दिया। पुलिस ने रातभर सर्चिंग अभियान चलाकर बालक को ढूंढने में सफलता प्राप्त की।

भिंड पुलिस ने रातभर सर्चिंग अभियान चलाकर बालक को ढूंढने में प्राप्त की सफलता

डायल 100 को बच्चे के लापता होने की मिली सूचना: भिंड जिले के मौ थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम पडरिया में रतिराम प्रजापति का 14 माह का बालक देवांश 17 मई को शाम करीब 6.30 बजे घर के बाहर खेल रहा था। कुछ समय बाद जब परिजन ने देखा तो बालक नहीं मिला। परिजन ने उसे आसपास तलाशने की काफी कोशिश की, परंतु जब वह नहीं मिला तो परिजन ने तुरंत उक्त घटना की सूचना 100 डायल को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने अपराध कायम किया और इस घटना के संबंध में तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया।

पुलिस ने दिखाई सक्रियता: घटना की जानकारी मिलते ही चंबल जोन के आईजी सुशांत सक्सेना के मार्गदर्शन में भिंड के एसपी मनीष खत्री ने स्वयं मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम के साथ मोर्चा संभाला। उन्होंने बालक को ढूंढने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को ग्राम पडरिया के आसपास सर्चिंग करने के लिए भेजा। गांव के प्रत्येक घर की तलाशी लेने के लिए दो टीमें बनाई गई। साथ ही गांव से बाहर जाने वाले रास्तों पर 3 कटऑफ पार्टियां भी लगाई गईं, जिन्होंने गांव से आने-जाने वालों की चेकिंग की। खेतों में चेकिंग के लिए और तकनीकी रूप से नजर रखने के लिए भी पुलिस बल लगाया गया।

पुलिस की सघन चेकिंग से घबराए बदमाश: पुलिस की सघन चेकिंग और बचने का कोई रास्ता नहीं दिखने पर घबराकर बदमाश बालक को खेत में ही छोड़कर भाग गए। पुलिस को सुबह बालक खेत में खेलता मिल गया। तत्परता से की गई कार्रवाई के कारण महज 9 घंटे में पुलिस ने बालक देवांश को सकुशल परिजन के सुपुर्द करने में सफलता प्राप्त की। बालक के वापस मिलने से ग्रामवासियों ने राहत ही सांस ली और आमजन द्वारा पुलिस की कार्रवाई की प्रशंसा की जा रही है। पुलिस द्वारा अग्रिम विवेचना में आरोपियों की शीघ्र पतारसी कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

अपहरणकर्ताओं की तलाश में जुटी पुलिस: बालक के पिता रतिराम दिल्ली में गजक का व्यापार करते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी है। पुलिस को आशंका है कि शायद इसी कारण उनके अबोध बालक देवांश के अपहरण की कोशिश की गई है ताकि उनसे मोटी फिरौती वसूल की जा सके। पुलिस की सक्रियता के कारण बदमाश देवांश को गांव से ज्यादा बाहर नहीं ले जा सके। अबोध बच्चे की बरामदगी के बाद पुलिस अब मामले की जांच पड़ताल और अपहरणकर्ताओं की खोजबीन में जुट गई है। पुलिस को शक है कि अपहरण में किसी नजदीकी व्यक्ति का ही हाथ हो सकता है।

मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल के पिताश्री का निधन

रीवा मेडिकल कालेज को कल करेंगे देहदान

रीवा। मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल के पिताश्री छोटेलाल पटेल का विगत दिवस भोपाल के एम्स अस्पताल में इलाज के दौरान दु:खद निधन हो गया.वे 89 वर्ष के थे एवं लम्बे अरसे से बीमार चल रहे थे.स्व. छोटेलाल पटेल कृषि विभाग में विषय वस्तु विशेषज्ञ के पद से 1996 में उमरिया से सेवानिवृत्त हुए थे,उन्होंने उमरिया के अलावा सतना जिले रउरा फार्म,अमरपाटन एवं मझगवां में भी लंबे समय तक अपनी सेवाएं दी थीं .श्री पटेल के निधन की खबर लगते ही सतना और रीवा में उनके शुभचिंतकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई.उनके निधन पर भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्राथना की है .विधायक प्रदीप पटेल ने बताया कि उनके पिताजी की अंतिम इच्छा मरणोपरांत नेत्रदान समेत अन्य अंगों को दान करने की थी ,उन्होंने बताया कि इस संबंध में जब एम्स के चिकित्सकों से बात की गई तो उनका कहना था कि शरीर का कोई भी अंग किसी अन्य व्यक्ति को प्रत्यारोपित नही किया जा सकता इसके एवज में देहदान की प्रक्रिया की जा सकती है ऐसे में उनकी अंतिम इच्छा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय किया गया कि रीवा मेडिकल कालेज में देहदान कर मेडिकल के छात्रों की पढ़ाई के लिए पूण्य का कार्य किया जाए। बता दें कि राष्ट्रऋषि भारत रत्न नानाजी देशमुख जैसी हस्तियों ने भी देहदान कर अन्य लोगों को देहदान करने की प्रेरणा दी है। उन्होंने बताया कि पिताजी की पार्थिव देह भोपाल से गृह ग्राम देवास लाई जा रही है जहां सुबह 9 बजे तक अंतिम दर्शन के लिए रखी जायेगी इसके बाद रीवा मेडिकल कालेज की टीम उन्हें देवास से ले जाएगी ।

भीषण गर्मी में 7.82 करोड़ यूनिट बिजली की सप्लाई

भोपाल। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जबलपुर, सागर, रीवा एवं शहडोल संभाग में इन दिनों लगातार तापमान बढ़ रहा है। भीषण गर्मी में भी बिजली कर्मचारी लोहे के खंभे पर चढ़ कर 30 से 35 फीट ऊँचाई पर चिलचिलाती धूप में कार्य कर रहे हैं, जिससे आम बिजली उपभोक्ताओं को भरपूर बिजली की आपूर्ति की जा सके। पिछले 24 घंटों में बिजली कंपनी ने लगभग 7.82 करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति की है।

प्रदेश के महाविद्यालयों में 25 मई से प्रारंभ होंगे प्रवेश

-पूरी तरह ऑनलाइन होगी प्रवेश प्रक्रिया

-एक मुख्य चरण, तीन सीएलसी राउंड होंगे, मेरिट आधार पर मिलेगा प्रवेश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा से संबंधित सभी 1304 से अधिक शासकीय और निजी महाविद्यालयों में अकादमिक-सत्र 2023-24 के लिए 25 मई से प्रवेश प्रारंभ होंगे। प्रवेश प्रक्रिया में एक मुख्य चरण और तीन सीएलसी राउंड होंगे। प्रवेश प्रक्रिया epravesh.mponline.gov.in के माध्यम से पूरी तरह ऑनलाइन होगी। विद्यार्थियों को अपने दस्तावेज के सत्यापन के लिए महाविद्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। इस वर्ष स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए भी ई-सत्यापन प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। अधिभार का लाभ लेने वाले आवेदकों का भी हेल्प सेन्टर द्वारा ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ई-प्रवेश के लिये मार्गदर्शिका जारी की जा रही है। प्रवेश प्रक्रिया स्टूडेंट फ्रेंडली बनाने एवं सुचारू संचालन के लिए 1200 प्राध्यापकों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स को प्रशासन अकादमी से ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षित प्राध्यापक मास्टर ट्रेनर के रूप में कॉलेज के अन्य स्टाफ को प्रशिक्षण दे रहे हैं। साथ ही अशासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों तथा एमपी ऑनलाइन के किओस्क संचालकों के साथ प्रवेश को लेकर महाविद्यालय स्तर पर चर्चा कर उन्हें प्रवेश सम्बन्धी जानकारी दी।

डॉ. यादव ने बताया कि इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं विद्यार्थी हितैषी बनाने के प्रयास किए गए हैं। विद्यार्थी त्रुटि होने पर ऑनलाइन शुल्क जमा कर पूर्व महाविद्यालय के हेल्प सेंटर से सुधार कर सकेंगे और पुन: विकल्प का चयन कर सत्यापन की प्रक्रिया कर सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान प्रवेश निरस्तीकरण पर प्रवेश शुल्क राशि खाते में वापस ट्रांसफर की जाएगी। सभी महाविद्यालयों में नवीन विद्यार्थियों के स्वागत के लिए प्रवेश उत्सव किये जाएंगे। विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शी व्याख्यान भी होंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष से पीजी की 2 लाख 13 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन ई-सत्यापन प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। नामांकन के आधार पर प्रदेश के शासकीय विश्वविद्यालयों से संबंधित विद्यार्थियों का डाटा सीधे पोर्टल पर प्राप्त होगा। इस प्रक्रिया में दस्तावेजों का सत्यापन आसान होगा। प्रदेश के बाहर या अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी, जिनका डाटा एमपीऑनलाइन पर डाटा उपलब्ध नहीं है, सिर्फ वे ही अपने दस्तावेज अपलोड करेंगे। विद्यार्थी पंजीयन करते समय माध्यमिक स्तर पर प्रदान की गई स्कॉलरशिप का आईडी भी दर्ज करेंगे। एक विद्यार्थी अधिकतम 15 महाविद्यालय के लिए चॉइस फिलिंग कर सकेगा। छात्राओं को पंजीयन शुल्क से छूट रहेगी।

लाड़ली लक्ष्मी को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि, शिक्षण शुल्क में छूट: राज्य शासन मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस वर्ष लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं को स्नातक में प्रवेश लेने पर 2 समान किस्तों में 25 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं का शिक्षण शुल्क उच्च शिक्षा विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

स्नातक तृतीय वर्ष पुस्तकें शीघ्र उपलब्ध होंगी: डॉ. यादव ने बताया कि आने वाले अकादमिक-सत्र में स्नातक तृतीय वर्ष के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार परिवर्तित पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। महाविद्यालय प्रारंभ होने के साथ विद्यार्थियों को नवीन पाठ्यक्रम की पुस्तकें उपलब्ध होगी। म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा स्नातक तृतीय वर्ष के 18 मुख्य विषय के लिए 126 लेखकों का चयन किया जा चुका है। साथ ही पुस्तक निर्माण का लगभग दो तिहाई कार्य पूरा हो गया है। अकादमी द्वारा इसकी समीक्षा भी की जा रही है। इसके अतिरिक्त स्नातक प्रथम वर्ष के 27 विषयों एवं स्नातक द्वितीय वर्ष के 23 विषयों की पुस्तकें विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई गई। विश्वविद्यालय में पुस्तक बिक्री के लिये केंद्र भी खोले गए हैं। इसके अतिरिक्त 40

संभागायुक्त ने सांची जनपद कार्यालय का किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संभागायुक्त भोपाल मालसिंह ने रायसेन जिले के सांची जनपद कार्यालय का गुरुवार को औचक निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी ली । मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान 2.0 के अंतर्गत जिले में शासकीय कार्यालयों, ग्राम पंचायतों तथा निकायों के वार्डो में जन सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की चिन्हांकित 67 सेवाओं से संबंधित लंबित और नवीन आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में रायसेन जिले के सांची जनपद कार्यालय का संभागायुक्त मालसिंह भयडिया द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित आवेदकों से

संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिये। संभागायुक्त मालसिंह भयडिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं, सेवाओं के लाभ से वंचित न रहें इसके लिए सभी विभाग व्यवस्था बनाकर कार्य करें। यदि किसी हितग्राही को पात्रतानुसार योजना में लाभ मिल सकता है तो उसका आवेदन तुरंत पोर्टल पर दर्ज कर शीघ्र संबंधित विभाग को भेजें और इसकी जानकारी हितग्राहियों को उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान को सेवा की तरह लेकर जरूरतमंद को लाभ देना सुनिश्चित कराएं । उन्होंने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण सहित अन्य योजनाओं के आवेदनों की भी जानकारी ली। शिविर में उपस्थित नागरिकों को बताया कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान 2.0 में 67 तरह की सेवाओं को शामिल किया गया हैं एवं इससे संबंधित हितग्राही को अनिवार्य रूप से लाभ दिया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान 2.0 में अविवादित नामांत्रण बटवारे, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित सीएम हेल्पलाईन का संतुष्टिपूर्वक निराकरण भी कराया जा रहा है।

रिइन्वेंटिंग अर्बन गवर्नेंस फॉर इंडियन सिटीज पर हुई कार्यशाला

भोपाल। जी-20 और यू-20 कार्यक्रमों की श्रृंखला में इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर परिसर में रिइन्वेंटिंग अर्बन गवर्नेंस फॉर इंडियन सिटीज विषय पर कार्यशाला हुई। ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट लोकल सेल्फ गवर्नेंस और नेशनल इंस्टीट्यूट अर्बन अफेयर्स के संयुक्त तत्वावधान में नगर निगम इंदौर द्वारा यह कार्यक्रम किया गया। कार्यशाला में इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, इंदौर विकास प्रधिकरण के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावडा, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुणाल कुमार, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई, अपर आयुक्त श्रीमती रूचिका चौहान विशेष तौर पर मौजूद रहे। कार्यशाला में प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने भोपाल, इंदौर, सतना, सागर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा की। मंडलोई ने प्रदेश की समस्त स्मार्ट सिटी की भौतिक और वित्तीय प्रगति की अद्यतन जानकारी ली और स्मार्ट सिटी के शेष कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी मिशन के संचालन के लिए एसपीवी के अगामी कार्यक्षेत्र और उनके द्वारा संचालित आईसीसीसी में प्रणालियों से जुड़े पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

जैसीनगर में निकलेगी भव्य कलश यात्रा, लाखों श्रद्धालु होंगे शामिल

भोपाल। सुरखी विधानसभा के जैसीनगर में आज बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा के प्रारंभ होने के पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी जिसमें लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे यह कलश यात्रा दोपहर 02 बजे से ज्ञानोदय कॉलेज से प्रारंभ होकर जैसीनगर के विभिन्न मार्गों से होते हुये कथा स्थल पर पहुंचेगी जिसमें जैसीनगर सहित सुरखी विधानसभा क्षेत्र एवं जिले भर से श्रद्धालु शामिल होंगे। कलश यात्रा के स्वागत के लिये क्षेत्रवासियों द्वारा जगह जगह पर कलश यात्रा पर पुष्प वर्षा की जायेगी। धूमधाम से कलश यात्रा निकाली जायेगी। राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि आस्था और धर्म के इस महाकुंभ में सभी धर्मप्रेमी बंधु श्रद्धालु अधिक से अधिक संख्या में पधारकर पुण्य लाभ अर्जित करें। श्री हनुमंत कथा आज से प्रारंभ होकर 22 तारीख तक चलेगी जिसमें आप सभी सपरिवार शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें। कार्यक्रम को लेकर पिछले एक माह से जोर शोर से जैसीनगर में तैयारियां चल रहीं है। सभी श्रद्धालुओं के स्वागत तथा व्यवस्था के लिये 36 समितियां गठित की गई जिसमें 5000 से अधिक कार्यकर्ता व्यवस्था को संभालेगे। भोजन व्यवस्था के लिये 3000 कारीगर तथा 4000 श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरण करने के लिये सहयोग करेंगे। कथा स्थल पर 80 से अधिक भट्टियां लगाईं गई है। श्रद्धालुओं को पानी की कोई परेशानी ना हो जिसको देखते हुये 150 से अधिक टेंकर तथा पूरे क्षेत्र में प्याऊ खुलवाये गये हैं। कथा स्थल पर व्यवस्था बनाने के लिये प्रशासन सहित समिति के सदस्य मौजूद रहेंगे इसके अलावा इस विशाल आयोजन में पार्किंग व्यवस्था के लिये अलग से व्यवस्था की गई है जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि यह धार्मिक आयोजन ऐतिहासिक होगा जिसमें लाखों लोग पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। गुरूवार को पंडाल तथा जैसीनगर की विभिन्न क्षेत्रों में ध्वज लगाये गये हैं पूरा जैसीनगर बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के स्वागत में सजा दिया गया है।

उज्जैन में 6 अपराधियों के अतिक्रमण ध्वस्त

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार उज्जैन में आज गुंडा-माफिया अभियान चलाया गया। पुलिस ने कार्यवाही के दौरान ड्रोन और हाई राइज व्यवस्था से पूरे क्षेत्र की निगरानी की और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 6 अपराधियों के अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए गए। साथ ही 3 बदमाशों के अवैध अतिक्रमण की नगर निगम की सहायता से नप्ती कराई गई। पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस, प्रशासन एवं नगर निगम की सभी टीमों को ब्रीफिंग के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इनमें से एक बदमाश 9 वर्ष की बालिका के साथ दुष्कर्म का आरोपी भी है, जिसके अवैध निर्माण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की मुनादी भी की गई। आज की कार्रवाई में पुलिस बल के लगभग 150 अधिकारी-कर्मचारी और नगर निगम, राजस्व विभाग की टीम शामिल रही।

सोलर रूफटाप लगाने मिलेगी सब्सिडी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने घर, ग्रुप हाउसिंग सोसायटी की छत, लगी हुई खुली जगह पर सोलर पैनल लगायें और बिजली पर होने वाले खर्च को बचायें। कंपनी ने बताया है कि एक बार सोलर ऊर्जा पैनल लगाने से लगभग 25 साल तक निरंतर बिजली मिलती रहेगी। सोलर से उत्पादित बिजली के मूल्य को देखते हुए सोलर पैनल लगाने पर हुए व्यय का भुगतान अगले 3-4 वर्ष में बराबर हो जाएगा। इसके बाद अगले 20 वर्ष तक सोलर से बिजली का लाभ सतत् मिलता रहेगा। कंपनी ने कहा कि सोलर पैनल लगाने से एक ओर जहॉ कार्बन फुटप्रिंट कम होगा वहीं दूसरी ओर पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। एक किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा पैनल के लिए लगभग 100 स्क्वायर फुट जगह की जरूरत होती है। भारत सरकार द्वारा आमजन/उपभोक्ताओं को 3 कि.वा. तक के सोलर प्लांट पर 40 प्रतिशत सब्सिडी और 3 कि.वा. के बाद 10 कि.वा. तक 20 प्रतिशत सब्सिडी एवं ग्रुप हाउसिंग सोसायटी को कॉमन सुविधा वाले संयोजन पर 500 कि.वा. तक (10 कि.वा. प्रति घर) 20 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है।

प्राथमिकता से कराए जा रहे जनसुविधा के सभी कार्य : सारंग

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने नरेला विधानसभा के वार्ड 69 में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरूवार को नरेला विधानसभा के वार्ड 69 अंतर्गत इक़बाल कॉलोनी ए सेक्टर की सभी डामर सड़कों के नवीनीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। मंत्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा में विकास की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है।

जन-सुविधा के सभी कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। वार्ड 69 में सड़कों के नवीनीकरण के बाद क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी। कार्यक्रम में रहवासियों ने मंत्री सारंग का विकास कार्यों की सौगात के लिये आभार माना और रोड शो भी निकाला। मंत्री सारंग ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल और अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। वर्ष 2008 के पहले पेयजल की समस्या हो या ड्रेनेज के अभाव से क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति हो, इसके निराकरण के लिये हर घर नर्मदा जल और संपूर्ण क्षेत्र में नाले-नालियों का निर्माण कर आदर्श ड्रेनेज सिस्टम की स्थापना की गई है। नरेला विधानसभा में करोड़ों की लागत से पक्की सड़क का निर्माण, बिजली, हर घर नर्मदा जल जैसी मूलभूत सुविधाओं सहित हर वार्ड में संजीवनी क्लीनिक, 3-3 सीएम राइज स्कूल, शासकीय कॉलेज, थीम पार्क, फ्लाइओवर की श्रृंखला के साथ ही विभिन्न विकास कार्यों से नागरिक सुविधाओं में निरंतर विस्तार किया जा रहा है।

सड़क निर्माण कार्य से इनको होगा लाभ: मंत्री सारंग ने कहा कि ओल्ड अशोका गार्डन ए सेक्टर में लगभग 2 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से विभिन्न मार्गों का डामरीकरण कार्य किया जायेगा। इससे अशोका गार्डन, अशोक विहार, बैंक कॉलोनी समेत आसपास के इलाकों के हजारों रहवासियों को आवागमन में सुविधा होगी।

रहवासियों ने रोड शो कर जताया आभार: वार्ड 69 में विकास कार्यों के भूमि-पूजन पर मंत्री सारंग का रहवासियों ने आभार व्यक्त करते हुए रोड शो निकाला। रोड शो बाबा चौराहे से जैन मंदिर होते हुए इक़बाल कॉलोनी मुख्य कार्यक्रम स्थल पर संपन्न हुआ, जिसमें समस्त रहवासियों ने मंत्री सारंग का स्वागत और अभिनंदन किया। रोड शो जगह-जगह भव्य आतिशबाजी के साथ पुष्प-वर्षा और माला पहना कर मंत्री सारंग का स्नेहिल स्वागत किया गया।

स म्पा द की य

किरेन रिजिजू का हटाया जानी

जिस तरह से केंद्रीय कानून मंत्री बयान दे रहे थे, उससे ऐसा लग रहा था कि उनकी गाड़ी में कभी भी ब्रेक लग सकता है। और आखिरकार किरेन रिजिजू की गाड़ी में हलका सा ब्रेक लगा और उन्हें कानून मंत्री का पद गंवाना पड़ गया। उन्हें मंत्रिमंडल से हटाया तो नहीं गया, अपितु अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण माने जाने वाले भू-विज्ञान मंत्रालय में भेज दिया गया। उनकी जगह अर्जुन राम मेघवाल को राज्य मंत्री के रूप में कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। हाल के वर्षों में यह पहला मौका है, जब कानून मंत्री कैबिनेट रैंक के नहीं होंगे।

मंत्रिमंडल के इस संक्षिप्त फेरबदल को कई कारणों से चौंकाने वाला माना जा रहा है। किरेन रिजिजू सरकार के सबसे हाई प्रोफाइल मंत्रियों में गिने जाते रहे हैं। हालांकि अचानक हुए इस परिवर्तन का कोई कारण नहीं बताया जा रहा है, लेकिन जिस पृष्ठभूमि में ये बदलाव सामने आए हैं, उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। वह न केवल उल्लेखनीय है, अपितु देश के लोकतंत्र के लिए उचित भी कहा जा सकता है। कानून मंत्री के रूप में किरेन रिजिजू का कार्यकाल न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच असामान्य टकराव और तनाव के लिए याद रखा जाएगा।

न्यायाधीशों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना सामान्य बात है और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। ऐसा अतीत में होता रहा है, परंतु ये मामले समझदारी से सुलझाए भी जाते रहे हैं। इस बार न केवल जजों की नियुक्ति से जुड़े मतभेद नियुक्ति प्रक्रि या को लेकर इन दोनों संस्थानों के परस्पर विरोधी स्टैंड से जुड़ गए अपितु कानून मंत्री के असामान्य रूप से सख्त बयानों के कारण स्थिति ज्यादा जटिल हो गई। मामले की जड़ में कालेजियम सिस्टम ही सबसे ज्यादा रहा, जिसे केंद्र सरकार समाप्त करना चाहती थी और न्यायपालिका इसके लिए तैयार नहीं।

2014 में सरकार नेशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट्स कमिशन एक्ट (एनजेएसी एक्ट) भी लाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर निरस्त कर दिया था। उसके बाद से ही न्यायपालिका को ऐसा लग रहा था कि कालेजियम की ओर से भेजे जाने वाले नामों को स्वीकार करने में कार्यपालिका बेरुखी दिखा रही है। दूसरी तरफ सरकार का कहना था कि कालेजियम सिस्टम के जरिए न्यायाधीशों की न्यायाधीशों के द्वारा ही नियुक्ति का चलन ठीक नहीं है और इसमें बदलाव किया जाना चाहिए। ये बातें अलग-अलग मौकों पर सार्वजनिक भी की जाती थीं, लेकिन रिजिजू के कार्यकाल में ये अप्रत्याशित रूप से बढ़ गईं। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने कालेजियम की सिफारिशों पर अमल में देरी को गंभीर मसला बताते हुए कड़ी प्रशासनिक और न्यायिक कार्रवाई की चेतावनी दी, तो दूसरी ओर कानून मंत्री ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि कोई किसी कोई को धमकी नहीं दे सकता।

उन्होंने एक अलग मौके पर यह भी कहा कि देश संविधान से बाहर की कोई व्यवस्था सिर्फ इसलिए नहीं स्वीकार कर लेगा कि वह फैसला कुछ न्यायाधीशों द्वारा लिया गया है। हालांकि इस बयानबाजी में कुछ और राजनेता भी शामिल हो गए थे, इससे कई बार तो ऐसा लगा कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव बढ़ जाएगा। संभवत: यही कारण रहा होगा कि प्रधानमंत्री को किरेन रिजिजू को कानून मंत्रालय से हटाना पड़ा। उन्हें कौन सा विभाग दिया गया है, यह मायने नहीं रखता, पर उन्हें केबिनेट में बनाए रखा गया है, यह पीएम की राजनीतिक मजबूरी भी कही जा सकती है।

उम्मीद की जानी चाहिए कि ऐसे सख्त बयानों से न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच बना तनाव अब धीरे-धीरे कम होगा और ठंडे माहौल में गंभीरता के साथ उन मतभेदों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी जो न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच उभर आए हैं। वैसे भी लोकतंत्र के लिए न्यायपालिका का स्वतंत्र होना आवश्यक है, लेकिन संविधान के दायरे में ही। सीमाएं, मर्यादाएं कार्यपालिका की भी हैं और न्यायपालिका की भी। दोनों अपनी मर्यादायों में रहेंगे तो लोकतंत्र पुष्ट होगा और जनता को राहत मिलेगी।

क्या देश के आगामी चुनाव में 'एआई' का इस्तेमाल होगा?

राकेश दुबे

लगता है कर्नाटक की हार से भारतीय जनता पार्टी ने सबक़ लिया है, मंथन जारी है कि चार विधानसभाओं के चुनाव, और 2024 में लोकसभा चुनाव परंपरागत पैटर्न पर लड़े जाएं या नहीं ? इस सवाल का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अगले माह 22 जून को वाशिंगटन व्हाइट हाउस में डिनर में छिपा है। उनकी इस यात्रा के दौरान कुछ अमेरिकी और इस्राइली हाईटेक कंपनियां, जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के ज़रिये सर्वे कराकर जानकारी चुनावी रणनीतिकारों को जानकारी बेचती हैं, टीम मोदी से संपर्क कर सकती हैं । वैसे अभी सत्ता के गलियारों में बैठे लोग इस सवाल पर खामोशी साधे हुए हैं, मगर इतना ज़रूर इशारा हुआ कि अगले चुनाव में रणनीति के स्तर पर भारी बदलाव सोच लिया गया है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यम भी शामिल है।

वैसे अमेरिका में आम चुनाव नवंबर, 2024 में है। उससे बहुत पहले भारत में लोकसभा चुनाव हो जाना है। अमेरिकी मतदाताओं के मिज़ाज को भांपने में पिछले चुनावों में जिस तरह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल हुआ, उसे 98 से 100 प्रतिशत सटीक माना गया था। राष्ट्रपति जो बाइडेन इस बात से भी चिंतित हैं कि प्रतिपक्ष कहीं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनियों का दुरुपयोग न करे। गत 3 मई को राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दुनिया की दिग्गज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनियों के टॉप सीईओ के साथ बैठक की थी, और यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि नागरिकों के निजी डाटा का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा।जो बाइडेन के साथ इस बैठक में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, माइक्रो सॉफ्ट के सत्या नडेला व ओपेन एआई के सीईओ सैम अल्टमन्न उपस्थित थे। इनसे यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस वाले जो प्रोडक्ट बाज़ार में उतार रहे हैं, वह सुरक्षित होंगे, लोगों की निजता और सिविल राइट्स का हनन नहीं करेंगे।

अमेरिका में वर्ष 2008 और 2012 के चुनावों को फेसबुक अकाउंट्स के ज़रिये लड़ा गया था। उन दिनों किसी मुद्दे पर फेसबुक यूजर्स की प्रतिक्रियाओं के आधार पर चुनावी सर्वे कंपनियां अपने क्लाइंट्स को डाटा उपलब्ध करा देती थीं। मगर, पिछले दो चुनावों से अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बड़ी भूमिका दिखने लगी है। अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी 'एक्सपर्ट डॉट एआई' ने 2020 के चुनाव में धमाल मचा दिया था, जिसके डाटा सटीक उतरे थे। साल 2020 चुनाव से पहले 'एक्सपर्ट डॉट एआई' ने सोशल मीडिया की तमाम पोस्ट को खंगालने में एआई सॉफ्टवेयर की मदद ली थी। जो बाइडेन जीत रहे हैं, उसकी थाह सोशल मीडिया में चल रही हलचलों से पता चल चुकी था।बीते चार वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक ने उन तिजोरियों की थाह भी लेनी शुरू की है, जिनसे चुनावों में आर्थिक मदद मिलने की संभावना है। पिछले चुनाव में इसकी भविष्यवाणी 93 प्रतिशत सही उतरी थी।

एक ख़तरा – आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सटीक जानकारी के साथ-साथ सूचनाओं को गुमराह भी कर सकता है, इसकी आशंका इस्राइली एक्सपर्ट व्यक्त करते हैं। हिब्रू भाषा के अखबार 'इज़राइल हेयोम' ने 14 मई, 2023 की एक रिपोर्ट में जानकारी दी है कि आम लोगों को गुमराह करने के वास्ते आवाज़ समेत व्यक्ति विशेष का क्लोन एआई के ज़रिये तैयार कर चुनावी दुष्प्रचार का ब्रह्मास्त्र बना लिया गया है। आप पुष्टि करते रहिये कि बयान फेक है, या सही, तब तक लाखों-करोड़ों लोग इसके दुष्प्रभाव की चपेट में आ चुके होते हैं। भारत में इसके ख़तरे ज़्यादा हैं। वैसे एआई आने वाले चुनावों का साइबर शैतान है, जिसकी मायावी चालों का शिकार आम मतदाता हो सकता है। अभी सवाल यह है क्या भारत में जो आगामी चुनाव होंगे, उसमें एआई जैसे मायावी दानव का इस्तेमाल होगा?

यूरोपीय संसद में एआई के सुरक्षित इस्तेमाल पर गत 11 मई को एक क़ानून बना है। यूरोपीय देश इस क़ानून के बाद कैसे एआई का चुनावी इस्तेमाल करते हैं, इसे देखने के लिए थोड़े दिन इंतज़ार करना होगा। कहने को भारत में साढ़े छह अरब डॉलर का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मार्केट है। जब चुनाव के वास्ते इसका इस्तेमाल होने लगेगा, अन्दाज़ लगा ले क्या नहीं होगा।

सावधान! मध्य प्रदेश में नाचना मना है

राकेश अचल

खबर बहुत छोटी है किन्तु हमारी पुरुष प्रधान और नारी विरोधी मानसिकता को प्रदर्शित करने के लिए इसे बड़ा बनाया जाना आवश्यक है। खबर है कि मध्यप्रदेश में एक सरकारी स्कूल में सीसीएलई प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में नाचने पर स्कूल की प्रभारी प्राचार्य को निलंबित कर दिया गया। सरकार मानती है कि प्रभारी प्राचार्य का नाचना मप्र सिविल सेवा आचरण नियम1965 के नियम-3 के तहत कदाचरण, गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

मप्र के शिवपुरी जिले के करेरा कस्बे में प्रभारी प्राचार्य श्रीमती संगीता मांझी ने नाचने की गलती की। संगीता के साथ एक और प्रभारी प्राचार्य संजीव अग्रवाल इसलिए निलंबित किये गए क्योंकि उन्होंने संगीता जी को नाचने दिया, रोका नहीं। सरकार का मानना है कि संगीता जी के नाचने का वीडियो वायरल होने से शिक्षा विभाग की छवि धूमिल हुई है।

मप्र के शिक्षा विभाग की छवि परीक्षाओं के पर्चे लीक होने से धूमिल नहीं होती, नाचने से होती है. संगीता जी के नृत्य में अश्लीलता थी या नहीं ये तय करने वाले लोग क्या दक्ष नर्तक हैं या लकीर के फकीर?

मप्र में जिस पार्टी की सरकार है वहां बजरंगी भाई 'वैलेंटाइन डे' पर सार्वजनिक स्थलों पर बैठे लोगों को आतंकित करते हैं और प्रशासन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य करने पर निलंबन का आदेश थमा देता है।

सनातन में भरोसा करने वाली सरकार नृत्य के बारे में बहुत कुछ जानती होती तो शायद संगीता के साथ इस तरह की तालिबानी कार्रवाई नहीं करती। सरकार को नहीं पता कि नृत्य किसी भी क़ानून में अपराध नहीं माना गया है। हमारे समाज ने नृत्य एक शाश्वत कला है। प्रकृति ने नाचने का गुण सभी को दिया है. पशु-पक्षी से लेकर मानव तक बिना नाचे नहीं रह सकती. हमारे यहां तो खुद भगवान शिव नटराज माने जाते हैं, फिर नाचना अपराध और कदाचरण आखिर कैसे मान लिया गया, और क्यों मान लिया गया?

अश्लीलता का समर्थक कोई नहीं हो सकता किन्तु श्रीमती संगीता का नृत्य अश्लीलता की श्रेणी में आता है, ये कैसे मान लिया गया। मैंने संगीता का कथित अश्लील नृत्य का वीडियो देखा है। मुझे तो उसमें कोई

अश्लीलता नजर नहीं आती। मुमकिन है कि मेरी नजर खराब हो, लेकिन कोई दूसरा भी यदि इसे अश्लील माने तो बात है। संगीता का निलंबन एक तरह की प्रताड़ना है। आयुक्त महोदय शायद ये नहीं जानते कि भारतीय संस्कृति एवं धर्म की आरंभ से ही मुख्यत- नृत्यकला से जुड़े रहे हैं। देवेन्द्र इन्द्र का अच्छा नर्तक होना- तथा स्वर्ग में अप्सराओं के अनवरत नृत्य की धारणा से हम भारतीयों के प्राचीन काल से नृत्य से जुड़ाव की ओर ही संकेत करता है। विश्वामित्र-मेनका का भी उदाहरण ऐसा ही है।

स्पष्ट ही है कि हम आरंभ से ही नृत्यकला को धर्म से जोड़ते आए हैं। पत्थर के समान कठोर व दृढ़ प्रतिज्ञ मानव हृदय को भी मोम सदृश पिघलाने की शक्ति इस कला में है। यही इसका मनोवैज्ञानिक पक्ष है। जिसके कारण यह मनोरंजक तो है ही-धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष का साधन भी है। स्व परमानंद प्राप्ति का साधन भी है। अगर ऐसा नहीं होता तो यह कला-धारा पुराणों- श्रुतियों से होती हुई आज तक अपने शास्त्रीय स्वरूप में धरोहर के रूप में हम तक प्रवाहित न होती।

मध्यप्रदेश में किसी सांस्कृतिक समारोह में नृत्य करने पर किसी शासकीय सेवक कि निलंबन का ये सबसे विचित्र मामला है। ये मामला बताता है कि केवल सत्तारूढ़ दल ही नहीं अपितु पूरी नौकरशाही भी तालिबानी मानसिकता की हो गयी है। मुझे पूरा यकीन है कि यदि संगीता माझी इस मामले को लेकर अदालत जाए तो उसे न्याय मिल सकता है, लेकिन एक शासकीय सेवक की इतनी हैसियत नहीं होती कि वो अपने किसी वरिष्ठ कि आदेश कि खिलाफ अदालत में खड़ा हो। संगीता माझी भी अनंतकाल कि लिए निलंबित नहीं रहने वाली। एक-दो स्पष्टीकरण लेने कि बाद उन्हें भी बहाल कर दिया जाएगा।

असल सवाल तो ये है कि क्या हमारे समाज में नृत्य को भी अनुशासन से जोड़ा जा सकता है। श्रीमती संगीता माझी ने नृत्य अपनों कि बीच किया और तब किया जब प्रशिक्षण में अवकाश का समय था। वहां बाहर का कोई व्यक्ति नहीं था।

अधिकाँश उन्हीं कि समकक्ष थे। उनका नृत्य आम नृत्यों जैसा ही था। उसमें कोई अश्लीलता भी शायद नहीं थी, फिर भी लोकलाज कि भय से उन्हें निलंबित किया गया ताकि पुरुषवादी मानसिकता की संतुष्टि बनी रहे। संगीता का दुर्भाग्य ये है कि वो मामा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना नहीं है, अन्यथा हमारे सूबे की मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती से लेकर अब स्वर्गारोहण कर चुकी श्रीमती सुषमा स्वराज संगीता माझी से बेहतर नाचतीं रहीं हैं और सार्वजनिक रूप से नाचती रही है।

हमारे ही प्रदेश की एक पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी को नाचने में कभी कोई संकोच नहीं रहा। और तो और हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह को अनेक सार्वजनिक ही नहीं अपितु शासकीय समारोहों में नाचते,गाते और ठुमके लगते हुए देखे गए हैं।

हम जिस समाज में रहते हैं वहां नृत्य वर्जना में नहीं आता। हम भगवान कृष्ण को नृत्यावतार मानते हैं। भगवान शिव को नटराज कहकर पूजते हैं. भारतीय संस्कृति एवं धर्म के इतिहास में कई ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि जिससे सफल कलाओं में नृत्यकला की श्रेष्ठता सर्वमान्य प्रतीत होती है।ऐसे में संगीता को सजा उचित नहीं लगती. संगीता कि खिलाफ की गयी कार्रवाई पर विभिन्न महिला संगठनों का मौन हैरान करने वाला है। आज जब शासकीय नौकरी सिवाय तनाव कि कुछ नहीं है वहां नृत्य को अश्लील मानकर किसी को सस्पेंड करना सदाचार कि क़ानून और नियम की थोथी लाज रखने के अलावा और कुछ नहीं है।

नई शिक्षा नीति में आदिवासियों के लिए क्या है?

अमरेंद्र किशोर

तकरीबन 34 साल पुरानी शिक्षा नीति की जगह 2020 में लागू हुई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी सुधार का नुस्खा माना जा रहा है। इससे उम्मीद की गई है कि यह स्कूल-कॉलेजों की शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीली और समग्र बनाकर स्टूडेंट्स की अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाएगी। सवाल है कि इस नीति में आदिवासी समाज को कितनी जगह दी गई है?

सरकार और विशेषज्ञों का कहना है कि ह्श्वक्2020 की परिकल्पना राष्ट्र के विकास में सीधा योगदान देती है। इस संदर्भ में यह बात दोहराई गई है कि 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को 2025 तक मुफ्त और उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी, क्योंकि अभी भारत में सीखने का गंभीर संकट है। सरकार स्वीकार करती है कि बच्चे प्री-प्राइमरी के लिए नामांकित तो हो जाते हैं, लेकिन वे बुनियादी कौशल हासिल करने में विफल रहते हैं। यह विफलता कोडरमा-कैमूर-करीमनगर सहित ऐसे ढेरों आदिवासी बहुल जिलों में साफ दिखती है। मुख्यधारा से कटे रायगड़ा-कांकेड़-झाबुआ और अदिलाबाद जैसे जिलों में बुनियादी कौशल की बात बेमानी हो जाती है। ये जिले अकुशल श्रमिकों की पौधशाला हैं।

क्या ह्श्वक्से आदिवासी समुदायों के जीवन में आमूल-चूल बदलाव की उम्मीद की जा सकती है? ह्श्वक्में वनाश्रित समुदाय, पहाड़ों के रहिवासी या मैदानी इलाकों में रहने वाले जनजातीय समुदायों की कितनी हिस्सेदारी है, इस पर बात होनी चाहिए। बड़ी दिक्कत तो यह है कि लंबे समय तक आदिवासियों को शिक्षा का उद्देश्य बताया ही नहीं गया। उनसे यह भी नहीं पूछा गया कि उनकी जिंदगी की प्राथमिकता क्या है? वे किसलिए पढ़ रहे हैं? नौकरी के लिए पढ़ रहे हैं तो उनके पास रोजगार को लेकर क्या जानकारी है?

1964 में बने कोठारी आयोग ने शिक्षा के संदर्भ में कहा था कि मनुष्य में आंतरिक बदलाव, गुणात्मक सुधार और सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। मगर वन्य संस्कृति में इसकी जगह मैदानी इलाकों के अतिरंजित तथ्य और महानायकों की महिमा पिरोए जाने की कोशिश शुरू हुई। आदिवासियों का जंगल उनकी शिक्षा में पहले भी नहीं था। हालांकि ह्श्वक्2020 में वन प्रबंधन का जिक्र है, मगर जंगलों पर गंभीर चर्चा नहीं है। वैसे आदिवासियों का अपना वन प्रबंधन है, जो उनकी परंपरा से यहां तक पहुंचा है। जंगलों का प्रबंधन अगर उन्हें अपनी परंपरा से अलग करके पढ़ाया जाता है तो उसे वे कितना स्वीकार करेंगे?

आंकड़े बताते हैं कि देश में चिह्नित 74 आदिवासी बोलियों में बारह से ज्यादा लुप्त हो चुकी हैं। इन्हें हजारों सालों से आदिवासी व्यवहार में लाकर बचाते आ रहे थे। क्या नई शिक्षा नीति में इन्हें बचाने या संजोने की कोई पहल है? आदिवासी समुदाय तो हिंदी से भी झिझकता रहा है, मगर अंग्रेजी सीखना उसके लिए बाध्यता है। समाजशास्त्री मानते हैं कि आदिवासी बच्चों को एक अपरिचित भाषा में शिक्षा देना न केवल उनकी सीखने की क्षमता को सीमित करता है, बल्कि उनके पारंपरिक ज्ञान को भी नकारता है। इस लिहाज से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा में शिक्षा देने की व्यवस्था जरूर कुछ लाभदायक साबित हो सकती है।

1979 में शिक्षा नीति पर बने मसौदे में नैतिकता और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रस्ताव आया। 1992 की नई शिक्षा नीति में फिर उसी गुणवत्ता की बात हुई, लेकिन इस बार शिक्षा को जीवन की वास्तविकताओं से जोड़ने की बात हुई है। तब भी आदिवासियों की शिक्षा प्राथमिकता में कहीं नहीं दिखी, न दिल्ली में और न राज्यों की राजधानी में। इसके उलट आदिवासी बच्चों को छात्रवृत्ति और आवासीय सुविधाओं वाले विद्यालय देकर नीति को सफल बनाने की खुशफहमी पैदा की गई। ऐसी सुविधाओं की समीक्षा भी नहीं की गई कि इस तरह के संरक्षणात्मक और प्रतिपूरक उपाय जारी रखे जाएं या नहीं?

हमारी शिक्षा प्रणाली में कई खामियां अभी भी बनी हुई हैं। आदिवासी शिक्षा के वर्तमान प्रारूप में सुविधाओं की कमी नहीं है, किंतु सवाल उठता है कि आदिवासियों को सुविधाएं परोसते हुए सात दशक बीत गए, फिर भी आज वही हालात क्यों हैं जैसे दशकों पहले थे।

पौराणिक कथा अनुसार भद्र देश के राजा अश्वपति की कोई संतान नहीं थी। उन्होंने संतान की प्राप्ति के लिए मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिदिन एक लाख आहुतियां दीं। ये काम अठारह वर्षों तक जारी रहा। इसके बाद सावित्री देवी प्रकट हुई और उन्होंने वर दिया कि राजन तुझे एक तेजस्वी कन्या पैदा होगी। राजा को सावित्री देवी की कृपा से एक पुत्री की प्राप्ति हुई जिसका नाम सावित्री रखा गया।

वे कन्या बड़ी होकर बेहद रूपवान हुई। उस कन्या के लिए योग्य वर न मिलने से उसके पिता दु:खी थे। उन्होंने कन्या को स्वयं वर खोजने के लिए भेज दिया। सावित्री तपोवन में भटकने लगी। वहां साल्व देश के राजा द्युमत्सेन रहते थे जिनका राज्य किसी ने छीन लिया था। उन्हीं के पुत्र सत्यवान का सावित्री ने पति के रूप में वरण किया।

ऋषिराज नारद को जब ये बात पता चली तो वह राजा अश्वपति के महल पहुंचे और उन्होंने कहा कि हे राजन! आपकी कन्या ने जिसे अपना वर चुना है वो गुणवान हैं, धर्मात्मा हैं और बलवान भी हैं लेकिन उनकी आयु बहुत छोटी है। एक वर्ष के बाद ही उसकी मृत्यु हो जाएगी।

ऋषिराज नारद की बात सुनकर राजा अश्वपति चिंता में डूब गए। सावित्री ने अपने पिता के दुखी होने का कारण पूछा, तो उन्होंने कहा, पुत्री तुमने जिस राजकुमार को अपने वर के रूप में चुना है वो अल्पायु हैं। अत: तुम्हें किसी और को अपना जीवन साथी बनाना चाहिए। पिता की बात सुनकर सावित्री ने कहा कि पिताजी, आर्य कन्याएं अपने पति का एक बार ही वरण करती हैं।

सावित्री हठ करने लगीं और बोलीं कि मैं सत्यवान से ही विवाह करूंगी। जब सावित्री ने अपने पिता यानी राजा अश्वपति की बात नहीं मानी तो उन्हें अपनी पुत्री सावित्री का विवाह सत्यवान से करना पड़ा। सावित्री अपने ससुराल पहुंचते ही सास-ससुर की सेवा में लग गई। समय बीतता चला गया। सत्यवान की मृत्यु का दिन जैसे-जैसे करीब आने लगा, सावित्री अधीर होने लगीं। उन्होंने तीन दिन पहले से ही उपवास शुरू कर दिया। नारद मुनि द्वारा कथित निश्चित तिथि पर उन्होंने पितरों का पूजन किया।

हर दिन की तरह सत्यवान उस दिन भी लकड़ी काटने जंगल गये साथ में सावित्री भी गईं। लकड़ी काटने के लिए सत्यवान जैसे ही एक पेड़ पर चढ़े। उन्हें अचानक से सिर में तेज दर्द होने लगा, दर्द से व्याकुल सत्यवान पेड़ से नीचे उतर गये। सावित्री ये देखकर परेशान हो गईं।

सत्यवान के सिर को अपनी गोद में रखकर सावित्री सत्यवान का सिर सहलाने लगीं। तभी वहां यमराज पहुंचे। यमराज अपने साथ सत्यवान को ले जाने लगे। सावित्री भी यमराजन के पीछे-पीछे चल पड़ीं। यमराज ने सावित्री को समझाने की कोशिश की लेकिन सावित्री नहीं मानी।

सावित्री की निष्ठा देख कर यमराज ने सावित्री से कहा कि हे देवी, तुम धन्य हो। तुम मुझसे कोई वर मांगों। सावित्री ने कहा कि मेरे सास-ससुर वनवासी और अंधे हैं, उन्हें दिव्य ज्योति प्रदान करें। यमराज ने वरदान दे दिया और कहा कि अब जाओ लौट जाओ।

लेकिन सावित्री अब भी अपने पति सत्यवान के पीछे-पीछे चलती रहीं। यमराज ने कहा देवी तुम वापस जाओ। सावित्री ने कहा भगवन पति के पीछे चलना मेरा कर्तव्य है। यह सुनकर उन्होने फिर से उसे एक और वर मांगने के लिए कहा। तब सावित्री बोलीं हमारे ससुर का राज्य छिन गया है, उसे पुन: वापस दिला दें। यमराज ने सावित्री को ये वरदान भी दे दिया। लेकिन सावित्री अब भी पीछे-पीछे चलती रहीं। यमराज ने सावित्री को तीसरा वरदान मांगने के लिए कहा इस पर सावित्री ने 100 संतानों और सौभाग्य का वरदान मांगा। यमराज ने ये वरदान भी सावित्री को दे दिया।

लेकिन इस वरदान के मिलने के बाद भी सावित्री वापस नहीं लौटीं इस पर सावित्री ने यमराज से कहा कि प्रभु मैं एक पतिव्रता पत्नी हूं और आपने मुझे पुत्रवती होने का वरदान दिया है। यमराज जी समझ गए और सावित्री की बात सुनकर यमराज को सत्यवान के प्राण छोड़ने पड़े। यमराज अंतध्यान हो गए और सावित्री उसी वट वृक्ष के पास आ गई जहां उसके पति की मृत्यु हुई थी।

वट सावित्री व्रत का महत्व

सावित्री के आते ही सत्यवान जीवंत हो गया और दोनों खुशी-खुशी अपने राज्य के लिए चल पड़े। दोनों जब घर पहुंचे तो देखा कि माता-पिता को दिव्य ज्योति प्राप्त हो गई है और उनके सारे दुख दूर हो गए। कहते हैं वट सावित्री व्रत करने और इस कथा को सुनने से जीवन साथी को लंबी आयु का वरदान प्राप्त होता है साथ ही वैवाहिक जीवन में खुशियां भी बनी रहती हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

इटारसी//पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रहे स्वर्गीय अशोक दुबे जी स्वर्गीय प्रेम शंकर दुबे जी को श्रद्धांजलि देने उनके निज निवास बज्जरवाड़ा ग्राम पहुंचे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजसभा सांसद दिग्विजय सिंह। दुबे परिवार के लोगों से मुलाकात कर परिवार के वरिष्ठ सज्जन दुबे , डॉक्टर विनय दुबे ,संतोष दुबे ,प्रदीप दुबे ,आशीष शर्मा , महेंद्र शर्मा , एवं डॉ विभोर दुबे, इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे । परिवार को सांत्वना देने के बाद समस्त वरिष्ठ कांग्रेसियो ने श्री प्रेम शंकर दुबे को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके कार्यों को सराया और उन्हें याद किया ।

नल जल मिशन की लापरवाही से पानी की हो रही समस्या एक स्थान से पानी भरने मजबूर ग्रामीण

दमोह। जबेरा जनपद के ग्राम पंचायत हिनौती खेत सिंह की महिलाओं ने कहा कि नल जल मिशन योजना का नहीं मिल रहा लाभ प्राइवेट बोर से आ रहा पानी गांव की आबादी अधिक होने के कारण लाइन में खड़े होकर भरना पड़ता है पानी मौके पर उपस्थित जबेरा जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ सुजान सिंह ने जबेरा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को फोन करके समस्या बताई उन्होंने समस्या के निराकरण के लिए आश्वासन दिया ।

सफारी में शराब की तस्करी , जप्त

शिवपुरी - पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा जिले में अवैध शराब की रोकथाम करने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया के मार्गदर्शन में कोलारस पुलिस ने मुखिबर सूचना पर एक सफारी गाडी क्रमांक यूपी 65 एके 7484 से 20 पेटी देशी प्लेन शराब की जप्त की हैं। सफ़ारी गाड़ी सहित दो आरोपी गिरफ़्तार किये गए हैं।गिरफ्तार आरोपियों के नाम पंकज राय पुत्र रामस्वरूप राय उम्र 28 साल नि0 ग्राम वीरा थाना भौंती एवं श्रीकृष्ण धाकड पुत्र चम्पालाल धाकड उम्र 43 साल नि0 मनियर शिवपुरी बताया गया है।दोनो लोगों से उक्त शराब रखने व बेचने का वैध लाइसेंस चाहा गया तो दोनो ने अपने पास कोई लाइसेंस न होना बताया। आरोपीगणों का क्रत्य धारा 34(2) आवकारी एक्ट का दण्डनीय पाया जाने से मौके पर उपस्थित साक्षियो के समक्ष आरोपी पंकज राय के कब्जे? से घटना मे प्रयुक्त वाहन क्रमांक यूपी 65 एके 7484 एवं 10 पेटी देशी प्लेन शराब की एवं आरोपी श्रीक्रष्ण धाकड के कब्जे से 10 पेटी देशी प्लेन शराब कुल 20 पेटी कीमती 01 लाख रूपये एवं घटना मे प्रयुक्त वाहन की कीमत करीव 06 लाख रूपये को जप्त किया गया एवं आरोपीगणों को गिरफ्तार कर बैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय पेश किया गया ।

सीएम स्वेच्छा अनुदान से 2.60 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

छतरपुर। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 4 लोगों के बेहतर उपचार के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान मद से 2.60 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। पूरन पिवता बंदु लोधी निवासी ग्राम हरपुरा, रामटौरिया को 80 हजार, रहीस यादव पिता राजेन्द्र निवासी ग्राम सेख सेमरा पोस्ट निवार को 1 लाख, चंदा लोधी आ. राहुल लोधी निवासी ग्राम बमनौराकला को 30 हजार और राजकिशोर सिंह पिता लालता प्रसाद राजपूत निवासी चितहरी को 50 हजार रुपये की राशि दी गई है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 11वीं में प्रवेश हेतु करें आवेदन

छतरपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2023-24 में कक्षा 11वीं (लेट्रल इन्ट्री) में प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाईन आवेदन बेवसाइट के माध्यम से 31 मई 2023 तक भरे जा सकते हैं और 22 जुलाई 2023 को प्रवेश परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा। उक्त परीक्षा हेतु विद्यार्थी को कक्षा 10वीं सत्र 2022-23 में उत्तीर्ण की हो तथा उसकी जन्मतिथि 1 जून 2006 से 31 जुलाई 2008 के बीच होना अनिवार्य हैं। उक्त जानकारी जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य नौगांव द्वारा दी गई है।

भू-अर्जन की समस्याएं निपटाने लगाया गया शिविर

छतरपुर। भू-अर्जन से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्टर संदीप जी.आर. द्वारा जनसुनवाई में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में एसडीएम बलबीर रमण के नेतृत्व में तहसील छतरपुर में भू-अर्जन की समस्याओं के निराकरण के लिए शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 13 आवेदन अर्जित हुई जमीन के मुआवजे के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए। जिसको जांच में लेते हुए निराकृत करने की कार्यवाही की जाएगी।

उमाशंकर और शंकर के फेर में उलझी पुलिस , धोखे में युवक को चार बार उठाया

युवक ने पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाकर कहा , हमें जग हंसाई से बचाओ

छतरपुर। विभिन्न मामलों को जल्द शार्ट आउट करने में पुलिस भी गफलत कर सकती है लेकिन यह गफलत एक युवक के गले की फांस बन गई है। पिता की वल्दियत में मामूली सा अंतर न समझकर पुलिस आनन फानन में युवक को बार-बार उठाकर थाने ले जाती है और जब वह अपने सारे प्रमाण पेश करता है तब उसे वापस भेज दिया जाता है। दरअसल, एक फरार वारंटी और युवक का न सिर्फ नाम एक सा है बल्कि दोनों के पिता के नाम में भी सिर्फ शंकर और उमाशंकर का अंतर है। इसी अंतर को न समझकर पुलिस एक बार नहीं बल्कि लगभग चार बार निरपराध युवक को उठाकर थाने ले गई।

मामला शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। शहर के देरी रोड स्थित वार्ड क्रमांक 37 की कृष्णा कालोनी में संतोष पुत्र उमाशंकर रैकवार अपने परिवार के साथ रहता है। देरी रोड पर ही रहने वाला कोई संतोष पुत्र शंकर रैकवार किसी मामले में फरार चल रहा है जिसका वारंट जारी किया गया है। उसे तलाशने के लिए सिविल लाइन थाना पुलिस देरी रोड पर पहुंचती है और फरार वारंटी संतोष पुत्र शंकर रैकवार की जगह कृष्णा कालोनी में रहने वाले संतोष पुत्र उमाशंकर रैकवार को उठाकर ले जाती है। गुजरे 20 अप्रैल को उसे पुलिस उठाकर थाने ले गई और जब उसने स्वयं और बल्दियत के सारे सबूत पेश किए तब उसकी वीडियोग्राफी कर उसे छोड़ दिया गया। आरोप है कि उसे लगभग चार घंटे तक थाने में बैठाए रखा गया। देरी रोड की कृष्णा कालोनी में रहने वाला संतोष पुत्र उमाशंकर रैकवार ई-रिक्शा चलाकर अपने दो बच्चों और पत्नी का भरण पोषण करता है जबकि उसके पिता उमाशंकर रैकवार उत्तर प्रदेश के महोबा में होमगार्ड सैनिक हैं। बकौल संतोष, वह किसी भी आपराधिक गतिविधि से कोई ताल्लुक नहीं रखता लेकिन फरार वारंटी के शक में उसे हैरान किया जा रहा है। ऐसे में वह मानसिक रूप से परेशान है और उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी धूमिल हो रही है।

इनका कहना है -

पुलिस ने वारंटी के शक में युवक को कई बार पकड़ा है तो गलत है। मैं अभी सिविल लाइन थाना पुलिस को इस मामले में संवेदनशील रहने के लिए निर्देशित करता हूं।

अमित सांघी पुलिस अधीक्षक, छतरपुर

केंद्रीय राज्यमंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल के प्रयास से 3 रेलवे ओवरब्रिज को मिली मंजूरी

अवरोध खत्म, बाधा रहित मिलेगा यातायात मलैया मिल सहित तीन ओवर ब्रिज एक आरओबी को हरी झंडी

दमोह। नागरिकों और राहगीरों को बाधा रहित यातायात मिलने लगेगा इसके लिए हरी झंडी मिल चुकी है। लंबे समय से चर्चा में बने रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे थे और बाधाएं भी उत्पन्न हो रही थी लेकिन यह बाधा अब दूर हो गई है। तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद संबंधित विभाग शीघ्र ही कार्य करने की योजना पर कार्य कर रहा है। दमोह सांसद एवं केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की लगातार अथक प्रयास से चलते दमोह को तीन रेलवे ओवरब्रिज की सौगात मिलने जा रही है। जिसमें लगातार चर्चाओं के साथ सर्वाधिक व्यस्त मार्ग मलैया मील फाटक है, जबकि आनु फाटक एवं हिंडोरिया मार्ग फाटक है। इन तीन रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण के बाद जहां एक ओर नगर से होकर पथरिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, हटा जाने वाले यात्रियों को मलैया मिल के पास रेलवे ओवरब्रिज बनने के कारण सुगमता होगी। वहीं बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र देव जागेश्वर नाथ के दर्शनों के लिए बांदकपुर जाने वालों को भी एक बड़ी सुविधा मिल जाएगी। जैन तीर्थ क्षेत्र कुंडलपुर पहुंचकर बड़े बाबा के दर्शन अर्चन करने वाले लोगों के लिए हिंडोरिया मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के बनने के बाद भारी सुगमता होगी। बांदकपुर रेलवे स्टेशन के समीप आरओबी के निर्माण को स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

कहां-कहां कितनी लागत, रेलवे ओवरब्रिज: केंद्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के लगातार अथक प्रयास से दमोह जिले को तीन आर.ओ. बी. के निर्माण को हरि झंडी मिल गई है। दमोह नगर में दमोह पथरिया बीना कटनी रेल खण्ड के किलोमीटर 126/ 1-2 एल.सी. क्रमांक 58 पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जाना है। जिसकी लंबाई 1351 मीटर जिसमें 96.00 रेलवे का क्षेत्र सम्मिलित है। जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति 37 करोड 54 लाख 82 हजार है। वहीं हिंडोरिया पटेरा मार्ग में बीना कटनी रेल खंड के किलोमीटर 1133/8-9 के एलसी क्रमांक65 रेलवे ओवरब्रिज जिसकी लंबाई 738.48 मीटर जिसमें 63.48 रेलवे का भाग है। जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति 26 करोड़ 37 लाख57 हजार है। इसी क्रम में दमोह कटनी मार्ग में बिना कटनी रेल खंड के किलोमीटर 1136/9-10 के एलसी क्रमांक 67 पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए मंजूरी मिली है जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति 27 करोड़ 36 लाख 42 हजार रुपए है। उपरोक्त तीनो रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को लेकर लगातार बाधाए आते रहे लेकिन केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री पटेल द्वारा लगातार प्रयास किया गया, जिसका परिणाम है कि तीन रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति मिल गई है, शीघ्र ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

इसी क्रम में दमोह जिले के दमोह बांदकपुर मार्ग पर बीना कटनी रेलवे सेक्शन के 1141/16-18 मे समपार क्रमांक 70 के एवज में आर.ओ.बी. का निर्माण कार्य पहुंच मार्ग सहित जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति जिसकी लंबाई 1153.14 मीटर बांदकपुर रेलवे स्टेशन के समीप का यह रेलवे फाटक के निर्माण कार्य की स्वीकृति भी प्राप्त हो गई है जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति 48 करोड़ 51 लाख 91 हजार है। यह कार्य भी शीघ्र ही प्रारंभ हो जाएगा। जबकि प्रथम 3 ओवरब्रिजों के मामले में संबंधित विभाग द्वारा कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यहां यह उल्लेखनीय है 50 प्रतिशत राशि रेलवे और 50 प्रतिशत राशि निर्माण में मध्य प्रदेश सरकार व्यय करेगी।

शिकायत करने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची दबंग विधायक

दमोह जनता दरबार लगाकर ग्रामीणों की समस्या सुनने वाली दमोह जिले की पथरिया विधानसभा की चर्चित दबंग विधायक रामबाई सिंह स्वयं समस्या में जब उलझ गई तब दमोह की पथरिया से विधायक रामबाई गोविंद सिंह परिहार के सागर नाका स्थित दमोह निवास पर मडियादो ग्राम से पधारे कुशवाहा समाज के लोगो द्वारा एक शिकायत की गई है कि विधायक पथरिया के लेटर हेड पर दमोह नगर के कुछ लोगों के द्वारा ग्राम रोजगार सहायक एवं ग्राम पंचायत सचिव के पद पर नियुक्ति संबंधित पत्र जारी किए गए जिसकी एवज में राशि के लेनदेन की जानकारी प्राप्त होने पर विधायक राम भाई सिंह ने पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह से मुलाकात कर औपचारिक रूप से इस बात की शिकायत की एवं उन्होंने बताया कि जिन लोगों के द्वारा भी इस प्रकार की धोखाधड़ी मेरे पत्र एवं मेरे नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जावे इस दौरान विधायक रामबाई सिंह ने सभी क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से मेरे नाम की कोई भी आसूचना अथवा ले नहीं बात करता है तो उस पर भरोसा ना करें। पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने कहा शिकायत है कि नौकरी का लालच देकर ठगने करने का भी दस्तावेज संलग्न किया है और यह एक बहुत ही गंभीर विषय है कि किसी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि के लेटर पैड का किसी द्वारा दुरुपयोग किया जाए मुकदमा कायम करके जो भी इसमें दोषी व्यक्ति है उनके खिलाफ कार्रवाई करके गिरफ्तार करेंगे !

महाराणा प्रताप जयंती पर सामान्य अवकाश घोषित

खण्डवा । राज्य शासन ने महाराणा प्रताप जयंती के लिये पूर्व में घोषित ऐच्छिक अवकाश के स्थान पर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में सामान्य अवकाश घोषित किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 22 मई महाराणा प्रताप जयंती पर सामान्य अवकाश रहेगा।

मोबाइल दुकान पर युवक रुका , स्कूटी की डिग्गी से चोरों ने पैसे किए पार

बरेली 7 बरेली नगर में एक बार फिर चोरों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं। दिनदहाड़े लगभग तीन बजे चोरों ने किसान की स्कूटी की डिक्की से पलक झपकते ही 1 लाख रुपए पार कर दिया है। सीसीटीवी कैमरे में चोरी करते हुए साफ दिखाई दे रहा है चोर बकायदा युवक का पीछा करते हुए बैंक से मोबाइल दुकान तक आये हुए थे। जैसे ही उन्हें मौका मिला उन्होंने अपना हाथ साफ कर दिया। मोबाइल दुकान से वापस अपनी मोटरसाइकिल के पास आए देविन्द्र धाकड़ चुन्नी लाल बड़कुर ग्राम कोटपार ने जब डिक्की का लॉक टूटा हुआ देखा तो तत्काल बरेली थाना जाकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। युवक देवेंद्र धाकड़ ने बताया कि बैंक में गेहूं का पेमेंट आया हुआ था जिसमें से 1 लाख रुपए निकालकर ट्रॉली बनाने वाले को उधारी देने घोखेड़ा पेट्रोल पंप जा रहा था युवक के साथ उसकी बहन भी साथ थी जिसने मोबाइल में बैलेंस डलवाने के लिए कहा युवक देवेंद्र मोबाइल में बैलेंस डलवाने के लिए विधायक गली के यहां रुक गया स्कूटी की डिग्गी के अंदर पैसे रखे हुए थे इसलिए युवक भी सतर्क नहीं था पलक झपकते ही चोरों ने स्कूटी की डिग्गी खोलकर पैसे निकालकर निकल गए 7 थाना प्रभारी आशीष सप्रे बताया कि देविन्द धाकड़ के द्वारा पुलिस थाना पहुंच कर शिकायत की गई है । जिसके उपरांत घटना स्थल पहुंच कर आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरा खंगाला जा रहा है। बाइक की डिक्की से पैसे निकालते हुए एक युवक कैमरे में कैद हुआ है। फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है।

इनका कहना है

युवक देवेंद्र की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर मामला को विवेचना में दिया है घटनास्थल के आसपास के सभी सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं जल्द ही चोर पुलिस गिरफ्त में होंगे

आशीष सप्रे , थाना प्रभारी बरेली

प्राइवेट स्कूलों की बैठक , पांचवी आठवीं कक्षा के परिणामों को लेकर जताया रोष

इटारसी - कक्षा पांचवी और आठवीं के परीक्षा परिणाम को लेकर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन इटारसी ने अति आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष शिव भारद्वाज की अध्यक्षता में जे एम कंप्यूटर के सभागार में रखी गयी। बैठक में मुख्य मुद्दा कक्षा 5वी एवं 8वी की बोर्ड परीक्षा एवं घोषित परीक्षा परिणाम को लेकर था ,सभी ने परीक्षा प्रणाली एवं परीक्षा परिणाम पर रोष जताया।

सबसे पहले सिलेबस को लेकर बड़ी विसंगति रही, फिर विगत दिवस राज्य शिक्षा केंद्र ने बोर्ड परीक्षा आयोजित की जिसमें कुछ पेपर लीक होने की वजह से उन पेपर्स को आगे की तारीख में लिया गया उसके बाद जो परीक्षा परिणाम घोषित हुए वह बहुत ही चोकाने वाले है,जो परिणाम घोषित हुए उसमें शासकीय स्कूल के लगभग सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण कर दिए एवं प्राइवेट स्कूल के परिणाम में बहुत खामी रही । अधिकांश स्कूलों के विद्यार्थियों को किसी एक या दो विषय में विद्यार्थियों को फेल कर दिया गया एक स्कूल संचालक ने बताया की हमारे यहाँ पढ़ने में बहुत अच्छी-खासी विद्यार्थी को तीन विषय में सुप्लिमेंट्री दें दी गई जबकि एक बच्चा जो पढ़ने में बहुत ही कमजोर था उसे उत्तीर्ण कर दिया गया ।सुप्लिमेंट्री की परीक्षा कब आयोजित होगी अभी तक शिक्षा विभाग द्वारा किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी गयी है परिणाम को लेकर अभिभावकों एवं स्कूल संचालकों में भी बहुत खासा रोष है द्य अध्यक्ष जाफ़र सिद्दीकी ने बताया की यदि इस तरह की स्थिति रही तो विभाग के विरुद्ध आंदोलन किया जायेगा, विभाग न ही स्कूलों को समय पर आर टी ई फीस प्रतिपूर्ति का भुगतान करते हैं, न ही प्राइवेट स्कूलों को सकारात्मक सहयोग करते हैं । जिलाध्यक्ष शिव भारद्वाज ने कहा की हम स्कूलों की समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर हैं चाहे इसके लिए किसी भी स्तर तक लड़ाई लड़ना पड़े , उन्होंने कहा कि सभी संगठन साथ मिलकर स्कूल हित में राज्य शिक्षा केंद्र और सरकार के सामने अपना पक्ष रखेंगे एवं आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन भी किया जायेगा। बैठक में सचिव नीलेश जैन घनश्याम शर्मा, लोकेन्द्र साहू,रविशंकर नागर,मंजू ठाकुर, आरती जैसवाल, कीर्ति कनौजिया, रमेश प्रधान, मनोज पटेल, उमाशंकर तिवारी, रजत प्रधान उपस्थित रहेद्य

करोड़ों की ठगी कर सेनेट्री पैड कंपनी गायब ,ऑफिस सील

शिवपुरी - महिलाओं को रोजगार देने के नाम पर काम देने के बदले करोड़ों का घोटाला करने वाली जीवन रेखा सेनेट्री पेड कंपनी शहर से भाग खड़ी हुई है। मीडिया द्वारा लगातार इस मुद्दे को उछाला जाता रहा गुरुवार को कंपनी लगभग 1600 महिलाओं से अनुमानित 15 करोड़ रूपए की ठगी कर अपने ऑफिस में ताला लगाकर गायब हो गई। जैसे ही इस कंपनी के गायब होने की सूचना प्रशासन को मिली,तहसीलदार मौके पर पहुंचे और कंपनी के ऑफिस सहित अन्य ठिकानों को तहसीलदार ने सील कर दिया है।

?5 दिन पहले पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज कर इस कंपनी के मालिक वर्मा को गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद उसे कोतवाली पुलिस ने जमानत पर छोड दिया। उसके बाद वह पीड़ितों को लगातार गुमराह करता रहा और अपने आप को पाक साफ बताने का प्रयास करता रहा।

दरअसल यह कंपनी महिलाओं के सेनेट्री पैड पैक करने का काम करने का दावा करती है। इस कंपनी में महिलाओं को पार्ट टाईम काम करने के एवज में 30 हजार रुपए जमा करने होते थे, जिसके एवज में कंपनी 8 हजार रुपए प्रतिमाह देती है। इसके साथ ही अगर आप 1 लाख रूपए बाली स्कीम लेते है तो इसमें आपको 24 हजार रूपए यह कंपनी प्रतिमाह देने का वादा करती थी। शहर में इस कंपनी ने लगभग 1600 महिलाओं को अपने झांसे में लेकर 30 हजार रूपए और 1 लाख रूपए बाला प्लान देकर लगभग 15 करोड़ रूपए बना लिए थे। किंतु मीडिया की सक्रियता से मामला खुल गया।

मतभेद दूर कर फिर बसाया 4 परिवारों को कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं महिला बाल विकास विभाग ने

धार। मार्ग दर्शन में संचालित वन स्टॉप सेंटर धार द्वारा किसी भी हिंसा से पीड़ित महिला एवं बालिकाओं के लिए सहायता प्रदान की जाती है। इसी सन्दर्भ में प्राप्त आवेदनों में कार्यवाही कर वन स्टॉप सेंटर द्वारा परामर्श हेतु दोनों पक्षों को बुलवाकर आपसी मनमुटाव को दूर कर परिवारों की खुशियों लौटाने में एक कदम और बढ़ा कर फिर चार परिवार बसाये वन स्टॉप सेन्टर प्रशासक श्रीमती ज्योत्सनासिंह ठाकुर द्वारा बातकर समझाया गया कि पति-पत्नी परिवार के दो पहिये के समान होते है, कोई एक भी यदि इसमें से निकालता है, तो पुरी गाड़ी डगमगा जाती है। अतः आपसी सांमजस्य बना कर चले काउंसलर वन स्टॉप सेंटर चेतना राठौर द्वारा सभी पक्षों की काउंसलिंग कर समझाइश दी गई की उनके बीच की दूरियों व गलत फहमियों को दूर करने का प्रयास किया गया एवं समझाया गया कि इन सारे लडाई-झगड़ों से बच्चों पर सबसे विपरीत प्रभाव पड़ता है, इसलिये स्वयं के साथ-साथ उनके भविष्य के बारे में भी सोचे।

एक उत्तरजीवि जिसका काल्पनिक नाम कविता और पति का काल्पनिक नाम जीवन दोनों की शादी परिवार जाति रिति रिवाज से होकर लगभग 15 वर्ष हो चुके है और उनके दो बच्चे है, शादी के कुछ तक दोनों पति-पत्नी अच्छे से प्यार से रहते थे। परंतु कुछ समय बाद से पति द्वारा प्रार्थिया छोटी-छोटी बातो को लेकर परेशान किया जाने लगा परन्तु प्रार्थिया सब कुछ सहन करती रही, पर जब बहोत ज्यादा प्रताडित करने लगे। अतः तंग आकर प्रार्थिया द्वारा महिला हेल्प लाईन पर शिकायत दर्ज की गई, जिससे वन स्टॉप सेंटर धार में प्रकरण दर्ज किया गय प्रार्थिया व उनके पति को वन स्टॉप सेंटर में परामर्श हेतु बुलवाया गया और समझाइश दी। जिससे दोनों का समझौता हो गया दोनों पति पत्नी साथ रहने व उन्हें पढ़ाने के लिए भेजे तथा बच्चों का खर्चा पुरा जीवन द्वारा उठाया जावेगा व परिवार की जिम्मेदारी निभाने के लिए बोला गया। इस तरह दोनों पति-पत्नी एक साथ वन स्टॉप सेंटर खुशी-खुशी गए।

लक्ष्मीनारायण पांडेय: राजनीति काजल की कोठरी होती है,लेकिन विरले ही इस कोठरी में बेदाग निकलते हैं

रतलाम (जावरा) । कहा जाता है कि राजनीति काजल की कोठरी होती है,लेकिन विरले ही ऐसे होते है जो इस कोठरी में बेदाग निकलते है।वर्तमान की भारतीय जनता पार्टी मात्र एक राजनैतिक संगठन नही वरन कई वरिष्ठों की कड़ी मेहनत,त्याग व समर्पण से समाजसेवा के लिए एक ऐसी संस्था बनी जो निचले तबके के उत्थान के प्रयास को क्रियान्वित किया गया।ऐसी ही सोच को लेकर जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी की नींव रखने में अहम किरदार निभाने वाले पूर्व सांसद व भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. डॉ लक्ष्मीनारायण पांडेय हैं ,जो राजनीति में शुचिता के प्रतीक माने जाते हैं।

रतलाम जिले के छोटे से गांव सूजापुर में जन्मे डॉ पांडेय ने राजनीतिक जीवन की शुरुआत बहुत चर्चित घटनाक्रम से की। उन्होंने प्रथम चुनाव विधानसभा का लड़ा। इस चुनाव में डॉ पांडेय ने मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री, उस समय के देश के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के खास माने जाने वाले डॉ कैलाश नाथ काटजू को पराजित कर दिया ।इस चुनाव के परिणाम में डॉ पांडेय को पूरे देश में चर्चित कर दिया, वही जनसंघ को भी एक नई पहचान दिलाई। इस घटनाक्रम का कांग्रेस की राजनीति में भी गहरा असर हुआ।चुनाव में पराजित होने के बाद डॉ काटजू कभी भी वापस लौटकर जावरा नहीं पहुंचे। स्वंय पंडित नेहरू चुनाव परिणाम से आश्चर्यचकित हुए।बीबीसी ने अपने समाचार में विशेष जिक्र किया।क्योंकि सत्ताधारी मुख्यमंत्री की पराजय देश की पहली ऐसी पराजय थी। डॉ लक्ष्मीनारायण पांडेय ने इस सफल शुरुआत के बाद पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को डॉ पांडेय के रूप में एक ऐसा साथी व सहयोगी मिला जो मालवा क्षेत्र में जनसंघ व भाजपा की जड़े मजबूत कर वटवृक्ष बनाने में अहम किरदार निभा सकता था ।वाजपेई के विश्वास को डॉ पांडेय ने भी निष्फल नहीं किया ।आपने 1971 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और मंदसौर नीमच लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व संसद में किया। उसके बाद डॉ पांडेय ने लगातार आठ बार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए संसदीय क्षेत्र को विकास कार्यों की कई सौगाते भी दिलाई ।सहज, सरल व सौम्य स्वभाव के धनी डॉ पांडेय क्षेत्र में इतने लोकप्रिय थे कि उन्हें क्षेत्र में मालवा का गांधी के नाम से कहा जाता था ।जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी के सफर में डॉ लक्ष्मीनारायण पांडेय का अभूतपूर्व योगदान भी माना जाता है ।राजमाता विजयाराजे सिंधिया, अटल बिहारी वाजपेयी, कुशाभाऊ ठाकरे ,प्यारेलाल खंडेलवाल, सुंदर सिंह भंडारी,भैरो सिंह शेखावत जैसे वरिष्ठ के समकालीन रहे डॉ पांडेय भी गांव गांव जाकर साइकिल ,तांगे व

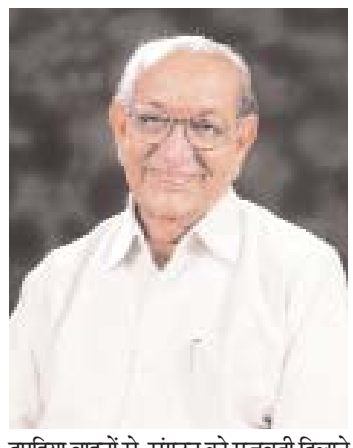

दुपहिया वाहनों से संगठन को मजबूती दिलाने और कार्यकर्ताओं की फौज को तैयार करने में कड़ी मेहनत की । जिसके फलस्वरूप मंदसौर ,नीमच ,रतलाम ,उज्जैन,शाजापुर, धार, देवास में राष्ट्रवादी विचारों से ओतप्रोत होकर एक ऐसा क्षेत्र बन गया जहां राष्ट्रीय विचारधारा की जड़े फेल सी गई।उस समय की कांग्रेस सरकारों के जनविरोधी कार्यो का विरोध करना भी जोखिम भरा कार्य था ,क्योकि सरकारों के खिलाफ आवाज उठाना अपराध माना जाकर कार्यवाही की जाती थी।ऐसी विकट परिस्थितियों के बीच कार्यकर्ताओ का मनोबल बढाकर निरन्तर संगठन को सशक्त बनाने के जटिल कार्य को बखूभी निभाने के प्रयास में डॉ पांडेय सफल रहे।हालांकि आपातकाल के दौर में अन्य राष्ट्रवादी नेताओ के साथ डॉ पाण्डेय भी जेल गए ,लेकिन इस बुरे दौर के बाद मजबूती से उभर कर आये ।जिसके फलस्वरूप जनमानस ने भी इन्हें अपना नेता माना।सांसद के रूप क्षेत्र को रेलवे,दूरसंचार, सड़को,पेयजल व्यवस्था, औद्योगिक क्षेत्र ,ऊर्जा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय स्वीकृति दिलाने में सफल रहे डॉ पांडेय ने अपनी विद्वत्ता और कार्यकुशलता से एक विशिष्ट पहचान भी बनाई।जिसके फलस्वरूप विदेश व रक्षा मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभिन्न स्थायी समितियो के सभापति रहे।इसके अलावा लोकसभा अध्यक्षीय पैनल में लंबे समय तक सदस्य रहकर लोकसभा का संचालन किया।अपने संसदीय कार्यकाल के दौरान भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में 23 देशों की यात्रा की।विश्व हिंदी सम्मेलन व सीपीए सम्मेलन में भी भारतीय प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया।कुशल संगठक के रूप में विख्यात डॉ पांडेय म.प्र. भारतीय जनता पार्टी के सफल प्रदेश अध्यक्ष रहे।आपके कार्यकाल में ही प्रदेश कार्यालय का शुभारंभ हुआ।जो देश के सबसे उत्कृष्ट भाजपा कार्यालयों में जाना जाता रहा ।प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पूरे प्रदेश का दौरा किया।कांग्रेस सरकार में विपक्षी दल के रूप भाजपा संघर्ष कर रही थी ऐसे दौर में संगठन को सशक्त करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को बखूबी निभाने वाले डॉ पांडेय ने वर्तमान के कई नेताओं को राजनैतिक जीवन की शुरुआत कराने और विधानसभा में टिकिट देकर विश्वास जताने का भी कार्य किया।वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी उस समय डॉ पांडेय के निवास पर संगठन की मन्त्रणा किया करते थे।इस कार्यकाल में अटल बिहारी वाजपेयी के साथ जम्मू कश्मीर में आंदोलन का हिस्सा भी बने।हालांकि वर्तमान राजनीतिक में भाजपा भी नए कलेवर के साथ देश व प्रदेश में उभर कर स्थापित हो गयी,लेकिन पार्टी को इस स्थिति में खड़ा करने में एक स्तम्भकार के रूप में डॉ पांडेय ने अहम जिम्मेदारी निभाई।राजनेतिक कार्यकाल में मंत्री जैसे पद से सुशोभित नही होने का मलाल डॉ पांडेय को कभी नही रहा,ऐसा ही स्वभाव उनके पुत्र विधायक डॉ राजेन्द्र पांडेय में भी देखने को मिलता है।1998 से जावरा क्षेत्र से भाजपा के रूप में चुनाव लड़ रहे राजेन्द्र पांडेय ने तीन चुनाव में विजय होकर परम्परागत कांग्रेस सीट को भाजपा की विचारधारा में परिवर्तित कर दिया।

रतलाम, मंदसौर व नीमच के अलावा म.प्र व राजस्थान निश्चित रूप से भाजपा के गढ़ माने जाते है,जिसके पीछे डॉ लक्ष्मीनारायण पांडेय जैसे व्यक्तित्व की मेहनत,त्याग व संगठन के प्रति समर्पण है। ऐसे कर्मठ योद्धा को उनकी पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि।

ओला इलेक्ट्रिक के 500 एक्सपीरियंस सेंटर पूरे हुए

विदिशा, एजेंसी। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज देश के कोने-कोने में अपने डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर सेंटर्स के विस्तार की रणनीति के तहत कई अन्य शहरों के साथ विदिशा में अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च करने की घोषणा की। यह नया लॉन्च किया गया एक्सपीरियंस सेंटर शास्त्री नगर में साँची रोड पर स्थित है। ओला भारत में अपने फिजिकल फुटप्रिंट्स का विस्तार करने के लिए बड़े कदम उठा रहा है। इन नए टचप्वाइंट्स के साथ कंपनी ने श्रीनगर में 500 वाँ एक्सपीरियंस सेंटर खोलकर नया कीर्तिमान बना लिया है। ओला एक्सपीरियंस सेंटर्स को ग्राहकों को सभी सेवाएं एक ही छत के नीचे देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहाँ ग्राहक एस1 और एस1 प्रो स्कूटर्स की टेस्ट राइड ले सकते हैं, खरीद की पूरी प्रक्रिया में एक्सपर्ट मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ ग्राहक ओला ऐप से खरीद प्रक्रिया पूरी करने से पहले फाईनेंसिंग के विकल्पों की विस्तृत जानकारी पा सकते हैं। ये एक्सपीरियंस सेंटर ओला स्कूटर की पोस्ट सेल केयर एवं मेंटेनेंस के लिए भी वन-स्टॉप डेस्टिनेशन हैं। ओला अब अपने 2,50,000 ग्राहकों के समुदाय से केवल 20 किलोमीटर दूर है, और उन्हें अपनी सर्विस की सभी जरूरतों एवं हर आवश्यकता के लिए आसानी से उपलब्ध सहायता प्रदान करता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने ओबीडी-सेकंड और ई20 कॉम्प्लाएंट एक्सपल्स 4वी लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। पर्यावरण के अनुकूल और तकनीकी रूप से उन्नत मोबिलिटी समाधान लाने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने आज ऑल-न्यू ओबीडी-सेकंड और ई20 कॉम्प्लाएंट एडवेंचर मोटरसाइकिल, एक्सपल्स 200 4 वाल्व को लॉन्च किया। एक्सपल्स 200 4वी में ई20 के अनुकूल इंजन लगा हुआ है जो 20 प्रतिशत तक के एथेनॉल-मिश्रित गैसोलीन मिश्रण पर चल सकता है। यह मोटरसाइकिल सेल्फ डॉयग्नॉस्टिस सिस्टम ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक्स (ओबीडी) के साथ आती है, जो वाहन में किसी भी गड़बड़ी या खराबी का पता लगाने में मदद करता है और यूजर को एक मालफंक्शन इंडिकेटर लाइट (एमआईएल) के माध्यम से गड़बड़ी के बारे में बताता है।इस मोटरसाइकिल को सभी तरह की सड़कों पर गाड़ी चलाने वाले नए जमाने के राइडर जो एडवेंचर के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हीरो एक्सपल्स 200 4वी को रोमांच और आराम के बेजोड़ अनुभव के साथ बनाया गया है। नए-नए एर्गोनॉमिक्स और लाइटिंग टेक्नोलॉजी से लेकर उन्नत ब्रेकिंग मोड्स की सुविधा के साथ, हीरो एक्सपल्स 200 4वी हर उस जगह पर जाने की इजाजत देती है जहां तक आप अभी नहीं गए हैं। इसे दो वैरिएंट - बेस और प्रो में लॉन्च किया गया है।

ध्रुव कंसल्टेंसी का वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही का एबिटडा 592.59 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। ध्रुव कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (बीएसई - 541302: एनएसई - ध्रुव), भारत की अग्रगण्य इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में से एक ने वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही के लिए एक लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम की सूचना दी। 30 अप्रैल 2023 तक कुल अनएक्जीक्यूटेड ऑर्डर बुक 9 229 करोड़ है। इस अवसर पर ध्रुव कंसल्टेंसी सर्विसेस लिमिटेड की प्रबंध निदेशक श्रीमती तन्वी दंडवते औती ने कहा-लगातार ऑर्डर प्रवाह और लागत पर नियंत्रण के कारण हमें वित्त वर्ष 2023 में नफा हासिल करने में मदद मिली। हम हाथ में मजबूत ऑर्डर बुक के साथ सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ भविष्य की उम्मीद करते हैं। इसके अलावा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रोड़ ट्रान्सपोर्ट पर सरकार का जोर हमारे लिए भविष्य के विकास को गति प्रदान करेगा। घरेलू बाजार बहुत अवसरवादी है और हमने अपने गुणवत्तापूर्ण कार्य और समय पर निष्पादन के साथ समग्र विकास क्षमता का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने के लिए खुद को तैयार किया है। अपने समग्र अनुभव का लाभ उठाते हुए, हम अंतराष्ट्रीय बाजार में भी अच्छा अनुबंध हासिल करेंगे।

अदाणी सक्षम ने लॉन्च किया मेटावर्स में स्किल सेंटर

अहमदाबाद , एजेंसी। अदाणी स्किल डेवलपमेंट सेंटर (एएसडीसी) को 16 मई, 2016 को भारत के युवाओं को कौशल प्रदान करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया था। इसके सात साल पूरे होने पर यह मेटावर्स में प्रवेश करने वाला दुनिया का पहला कौशल केंद्र बन गया है । इसकी शुरुआत दो पाठ्यक्रमों से हुई है। इस मील के पत्थर के साथ अदाणी फाउंडेशन भविष्य मे युवाओं को अत्याधुनिक तकनीक के द्वारा प्रशिक्षण देने के दिशा मे आगे बढ़ रहा है।मेटावर्स के साथ एएसडीसी ने एक ऐतिहासिक चरण में कदम रख रहा है जहां ज्ञान, कौशल और टेक्नोलॉजी का एक अनूठा समागम हो रहा है। इससे एक व्यापक शैक्षिक अनुभव बनाने के लिए वातावरण तैयार हो रहा है। स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षा मानकों में राष्ट्रीय तात्कालिकता को स्वीकार करते हुए, एएसडीसी ने मेटावर्स में स्वास्थ्य देखभाल और अस्पताल उद्योग (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट) और अग्नि सुरक्षा (फायर सैफ्टी) के पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता दी है। स्टूडेंट्स के रोमांच की कल्पना करें, एक वर्चुअल कक्षा में प्रवेश करने के लिए हेडसेट पहनना और फिर न सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान को प्रभावी ढंग से हासिल करना बल्कि मेटावर्स में प्रैक्टिकल अभ्यास भी उन्हें रोमांचित करेगा। यह एक गेम-चेंजर है जो प्रशिक्षुओं को उनके चुने हुए क्षेत्र की गहरी समझ से लैस करता है। भारत के 13 राज्यों के 40 एएसडीसी केंद्रों में स्टूडेंट्स इन पाठ्यक्रमों के लिए मेटावर्स में नामांकन कर सकेंगे।एएसडीसी इन पाठ्यक्रमों को दुनिया भर के छात्रों के लिए भी उपलब्ध कराएगा। कोई भी इन पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन नामांकन कर सकता है और कंप्यूटर का उपयोग कर इसे सीख सकता है साथ ही वीआर हेडसेट की सहायता के बिना अपनी स्क्रीन पर वर्चुअल क्लासरूम का अनुभव कर सकता है।

केस आईएच ने अपने पुणे प्लांट से 1000वां गन्ना हार्वेस्टर बाजार में उतारा

पुणे, एजेंसी। सीएनएच इंडस्ट्रियल का एक ब्रांड और कृषि उपकरणों में ग्लोबल स्तर पर एक अग्रणी कंपनी केस आईएच ने पुणे, महाराष्ट्र में अपने अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से 1000वें गन्ना हार्वेस्टर को तैयार करने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सीएनएच इंडस्ट्रियल की लीडरशिप टीम की उपस्थिति में प्लांट से 1000वीं इकाई के रूप में ऑस्टॉफ्ट सुगरकेन हार्वेस्टर को बाजार में उतारा गया। इस अवसर पर बोलते हुए नरिंदर मित्तल, मैनेजिंग डायरेक्टर, सीएनएच इंडस्ट्रियल-एग्रीकल्चर बिजनेस ने कहा, ''केस आईएच इंडिया में 1000वें ऑस्टॉफ्ट सुगरकेन हार्वेस्टर को उतारना हमारे लिए गर्व का क्षण है, और यह हमारी क्षमताओं को मजबूत करता है। इस तरह हम अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए एडॉप्टेबल मशीनें उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित होते हैं। चीनी उद्योग, किसानों और कटाई ठेकेदारों ने इस मैकेनिकल सॉल्यूशन को तहे दिल से स्वीकार किया है। हम भारत और अन्य निर्यात बाजारों में भी हार्वेस्टर की आपूर्ति करते हैं। हम गन्ने की मशीनीकृत खेती के लिए न केवल अपनी श्रेणी में सर्वोत्तम हार्वेस्टिंग सॉल्यूशंस पेश करते हैं, बल्कि सर्वोत्तम खेती प्रथाओं के लिए उपयुक्त उपकरण और किसानों के लिए विश्व-स्तरीय पोस्ट हार्वेस्टिंग सॉल्यूशंस की एक पूरी रेंज की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

केस आईएच ऑस्टॉफ्ट सीरीज गन्ना हार्वेस्टर को गन्ने की कटाई की दक्षता में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

आईटी हार्डवेयर को 17000 करोड़ का प्रोत्साहन, मिलेंगे 75000 रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने आईटी हार्डवेयर क्षेत्र के लिए कुल 17,000 करोड़ रुपये की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) 2.0 को मंजूरी दे दी। इस प्रोत्साहन योजना से 3.35 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन और 2,430 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है। इससे 75,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है।

पीएलआई 2.0 के तहत लैपटॉप, टैबलेट व सभी उपकरणों से लैस पर्सनल कंप्यूटर (ऑल इन वन पीसी) सर्वर आदि आएंगे। सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने 17,000 करोड़ रुपये के बजटीय खर्च के साथ आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई 2.0 को मंजूरी दे दी। इसकी अवधि छह साल होगी।

इसके तहत कंपनियों के 5 फीसदी तक प्रोत्साहन मिलेगा। देश में बने पुर्जों के साथ उत्पादन करने पर अलग से भी 4 फीसदी प्रोत्साहन दिया जाएगा। इससे पहले सरकार ने फरवरी, 2021 में 7,350 करोड़ के खर्च के साथ आईटी हार्डवेयर के लिए पहली पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। इस पर क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों ने सरकार से बजटीय खर्च बढ़ाने की अपील की थी। इसके बाद ही सरकार ने पीएलआई 2.0 के तहत खर्च बढ़ाने की घोषणा की है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण देश के रूप में उभर रहा भारत- भारत एक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण देश के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र से जुड़ीं दुनियाभर की कंपनियां भारत आ रही हैं। मोबाइल फोन के लिए पीएलआई योजना की सफलता को देखते हुए आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई 2.0 को मंजूरी दी गई है।

-अश्विनी वैष्णव,
सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार मंत्री

भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता

देश में मोबाइल फोन उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने पहली बार अप्रैल, 2020 में पीएलआई योजना की शुरुआत की थी। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ावा मिला है। भारत आज दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है। इसमें पीएलआई योजना का बड़ा योगदान है। विदेशी बाजारों में मांग के कारण मार्च, 2023 में मोबाइल फोन का निर्यात 11 अरब डॉलर (करीब 90,000 करोड़ रुपये) के स्तर पर पहुंच गया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के केंद्र की सत्ता में आने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। इससे देश का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र पिछले आठ साल से लगातार सालाना 17 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। इस अवधि में उत्पादन बढ़कर 105 अरब डॉलर (करीब 9 लाख करोड़ रुपये) के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

33 अफसरों को आईएएस अवार्ड करने के लिए आज दिल्ली में डीपीसी

- **राज्य प्रशासनिक सेवा के इन अफसरों के नाम पर होगा विचार**

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्य प्रशासनिक सेवा के 33 अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत करने के लिए बहुप्रतिक्षित डीपीसी आज 19 मई को दिल्ली में हो रही है। यह डीपीसी संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय में होगी।

मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित मप्र के संबंधित अधिकारी डीपीसी में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। वर्ष 2021 के लिए 19 और 2022 के लिए 14 पदों के लिए यह डीपीसी हो रही है। इसमें तीन गुना अफसरों के नामों पर विचार किया जाएगा। डीपीसी में मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, सामान्य प्रशासन विभाग कार्मिक की प्रमुख सचिव दीपी गौड़ मुखर्जी और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य शामिल होंगे।

2022 में 2021 के रिक्त पदों के लिए डीपीसी नहीं हो पाई थी! इसलिए दो साल की डीपीसी एक साथ की जा रही है। डीपीसी में वर्ष 2000 से लेकर 2006 बैच तक के राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के नामों पर विचार किया जाएगा।

बताया गया है कि मध्यप्रदेश में यह पहला अवसर है जब एक साथ 33 अधिकारियों को आईएएस अवार्ड होगा। लिस्ट में ऐसे भी नाम है जो नायब तहसीलदार से अपर कलेक्टर तक पहुंचे हैं जिनका चयन आईएएस संवर्ग के लिए इस सूची में हो सकता है।

इन अफसरों के नामों पर होगा विचार- विवेक सिंह, पंकज शर्मा, नारायण प्रसाद नामदेव, जयेन्द्र कुमार विजयवत, मनोज मालवीय, कैलाश बुंदेला, सुनील दुबे, सुरेन्द्र कथूरिया, राजेश जैन, प्रमोद शुक्ला, गजेन्द्र सिंह नागेश, प्रताप नारायण यादव, सरोधन सिंह, अनुराग सक्सेना, मल्लिका निगम नागर, अजीजा सरशार जफर, सपना सोलंकी, कमलचंद्र नागर, मंजूषा विक्रांत राय, संघमित्रा गौतम, संजना जैन, शुचिस्मिता सक्सेना, कीर्ति खुरासिया, जगदीश कुमार गोमे, दिशा प्रणय नागवंशी, देवेन्द्र कुमार नागेन्द्र, मनोज सरियाम, रामप्रकाश अहिरवार, कमलेश भार्गव, अभय सिंह ओहरिया, संदीप केरकट्टा, अंजली जोसेफ, रेखा राठौर, नवीत धुर्वे, सोजान सिंह रावत, वंदना शर्मा, अर्चना सोलंकी, नंदा भलावे कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झानिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी, जितेन्द्र सिंह चौहान।

अनमोल इंडिया लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 23 और चौथी तिमाही के लिए आय दर्ज की

वित्तीय वर्ष 23 में 33 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की गई

लुधियाना , एजेंसी। अनमोल इंडिया लिमिटेड , आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन उद्योग, कमोडिटी ट्रेडिंग और कोयला आयात में अग्रणी कंपनियों में से एक, ने 17 मई, 2023 को आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में कंपनी की वित्तीय तिमाही और 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए ऑडिट किए गए वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी है। अनमोल इंडिया लिमिटेड के परिचालन से राजस्व 18.70 प्रतिशत बढ़ा, जो वित्तीय वर्ष 22 की चौथी तिमाही में 311.80 करोड़ रुपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में बढ़कर 370.13 करोड़ रुपये हुआ। यह मुख्य रूप से पोर्टफोलियो में कोकिंग कोल, मेट कोक, रसायन और लोहा और इस्पात जैसे नए उत्पादों को शामिल करने और मात्रा में वृद्धि से जुड़ा है। एबिटा 31.83 प्रतिशत बढ़ा, जो वित्तीय वर्ष 22 की चौथी तिमाही में 7.32 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 9.65 करोड़ रुपये हुआ। एबिटा का मार्जिन वित्तीय वर्ष 22 की चौथी तिमाही में 2.34 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 25 बीपीएस द्वारा 2.59 प्रतिशत हो गया। पैट 40.18 प्रतिशत बढ़ा, जो वित्तीय वर्ष 22 की चौथी तिमाही में 3.16 करोड़ रुपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 4.43 करोड़ रुपये बढ़ा। पैट का मार्जिन वित्तीय वर्ष 22 की चौथी तिमाही में 1.01 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 18 बीपीएस द्वारा 1.19 प्रतिशत हो गया। चौथी तिमाही में अनमोल इंडिया लिमिटेड के स्टैंडअलोन वित्तीय प्रदर्शन - परिचालन से प्राप्त राजस्व ने वित्तीय वर्ष 22 में 1059.39 करोड़ रुपये की तुलना में 33.12 प्रतिशत की हेल्दी ग्रोथ दर्ज की और वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 1410.24 करोड़ रुपये प्राप्त किए। एबिटा वित्तीय वर्ष 22में 27.52 करोड़ रुपये से 32.74 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 23 में 36.53 करोड़ रुपये हो गया। पीएटी वित्तीय वर्ष 22 में 15.55 करोड़ रुपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 23 में 18.66 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। ईपीएस में 19.90 प्रतिशत फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह वित्तीय वर्ष 22 में 13.67 रुपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 23 में 16.39 रुपये रहा। कंपनी ने अपने पोर्टफोलियो में कोकिंग कोल, मेट कोक, केमिकल्स, आयरन एंड स्टील्स आदि जैसे नए उत्पादों को शामिल किया है। इन वस्तुओं में कंपनी के विकास को मजबूत करने के लिए, कंपनी ने पहले से ही एक रणनीतिक और विस्तार समिति का गठन किया है।

डांस एक एक्सप्रेशन : सोनाली बेंद्रे

मुंबई, एजेंसी। इस वीकेंड सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के देसी डांस रियलिटी शो इंडियाज़ बेस्ट डांसर 3 में मुकाबला तेज हो जाएगा, जहां बेस्ट 13 कंटेस्टेंट्स अपने पहले एलिमिनेशन राउंड का सामना करेंगे। इस शो में अपनी जगह बनाए रखने के लिए सभी कंटेस्टेंट्स आने वाले एक और एक ग्यारह चैलेंज में अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस लेकर आएंगे, जहां वो जजों से एक एक्स्ट्रा पॉइंट और हासिल कर सकते हैं। सभी कंटेस्टेंट्स और कोरियोग्राफर्स को मिलकर जजों के सामने यह साबित करना होगा कि वो यहां जीतने के लिए आए हैं ताकि वो एक एक्स्ट्रा पॉइंट जीतकर खुद को सुरक्षित रख सकें।लेकिन बूगी एलएलबी और कोरियोग्राफर सौम्या कांबले के डांस मूव्स सभी दर्शकों का मन मोह लेंगे जहां वो का करू सजनी पर एक क्लासिकल ठुमरी पेश करके दर्शकों के होश उड़ा देंगे। इस परफॉर्मेंस के पहले उनकी मां और बहन इस शो में आकर बूगी को खुश कर देंगे। इस शानदार परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हुए सोनाली बेंद्रे कहेंगी, इस परफॉर्मेंस के दौरान पूरे कोरियोग्राफर्स की आंखों में आंसू थे, इससे आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं कि यह परफॉर्मेंस कैसी थी।

भारत में पहली बार मिलेगा बेस प्राइस पर हाई परफॉरमेंस फ्यूल

सतना। जियो - बीपी ने नई टेक्नोलॉजी वाले डीजल को लॉन्च करने की घोषणा की, जो उपभोक्ताओं के लिए डीजल मानकों को बेहतर कर देगा। यह नया लॉन्च किया गया एडिटिवाईज्ड डीजल, कंपनी के नेटवर्क पर मिलेगा। यह ट्रक चालकों को प्रति वाहन 1.1 लाख रुपये तक की वार्षिक बचत देगा, जो 4.3 प्रतिशत बेहतर ईंधन बचत के कारण हो रही है। यह नया हाई परफॉर्मेंस डीजल सभी जियो-बीपी आउटलेट्स पर मिलेगा। यह भारतीय बाजार में पहली बार बिना किसी अतिरिक्त लागत के मार्केटिंग प्राइस पर मिलेगा। लाइव टेक्नोलॉजी के साथ जियो - बीपी आउटलेट्स पर मिलने वाला यह डीजल गंदगी होने के कारण फालतू के रखरखाव के झंझट को कम करेगा और महत्वपूर्ण इंजन के भागों में मौजूद गंदगी को हटा कर उसे बेहतर तरीके से लंबे समय तक चलने में मदद करेगा। यह विभिन्न तरह के कमर्शियल वाहनों में काम करने के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है। लगातार उपयोग के साथ यह वाहन के मालिकों और ड्राइवरों को कई तरह के फायदे देगा। यह इंजन की शक्ति को और बढ़ाकर उसे बरकरार रखता है। इतना ही नहीं, यह अनपेक्षित रूप से उत्पन्न होने वाले रखरखाव की जरूरत को भी कम करता है। जियो-बीपी के सीईओ हरीश सी मेहता ने कहा, ''वैसे तो हर एक ग्राहक महत्वपूर्ण है, लेकिन ट्रकर्स का जियो बीपी के लिए हमेशा से एक विशेष महत्व रहा है। हम जानते हैं कि ट्रकर्स के व्यवसायिक प्रदर्शन में ईंधन कितना महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जो उनकी आधी संचालन की लागत के बराबर होता है। ईंधन के प्रदर्शन और इंजन के रखरखाव की उनकी चिंता को दूर करने के लिए जियो बीपी ने सालों तक सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजिस्ट्स के साथ काम करके एक कस्टमाईज्ड एडिटिव का विकास किया। यह एडिटिव युक्त हाई परफॉर्मेंस डीजल खास भारतीय वाहनों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो भारतीय सड़कों और भारत में ड्राइविंग की परिस्थितियों के अनुरूप है। उपभोक्ता की समस्या: वाहन के इंजनों में धूल जम जाती है। यह इंजन के महत्वपूर्ण पुर्जों, खासकर फ्यूल इंजेक्टर पर समय के साथ बढ़ती जाती है, और इन पर इस धूल का काफी असर पड़ता है। उन्नत फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम के साथ आधुनिक ट्रकों में इंजेक्टर का छेद और ज्यादा छोटा कर दिया गया है, जिसके कारण उन पर धूल और गंदगी का असर और ज्यादा होने की संभावना है।

भोपाल से गहरा नाता रहा है चमत्कारी बाबा नीब करौरी का

डॉ. शंकरदयाल शर्मा से कहा था- दुखी मत हो, एक दिन देश के सबसे बड़े आदमी बनोगे

. देश-दुनिया में अपनी दैवीय सिद्धियों और चमत्कारों के लिए विख्यात बाबा नीब करौरी का भोपाल से भी गहरा नाता रहा है। जी हां, वही बाबा नीब करौरी (नीम करौली) जिनके बारे में मशहूर किस्सा है कि उन्हें अंग्रेजों के राज में ट्रेन से उतार दिए जाने पर वे नाराज होकर खेत में बैठ गए थे और इसके बाद ट्रेन एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पाई थी। इंजन बदलने के बाद भी। यह नजारा देख जब लोगों ने ट्रेन के गार्ड को बाबा की महिमा बताते हुए उनसे माफी मांगने की सलाह दी तब जाकर ट्रेन आगे बढ़ी। नीब करौरी बाबा की प्रसिद्ध का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके भक्तों की फेहरिस्त में दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी एप्पल के फाउंडर स्टीव जाब्स और फेसबुक के कोफाउंडर मार्क जकरबर्ग जैसी कई नामी हस्तियां शामिल हैं। ये सभी बाबा की याद में उत्तराखंड के कैंचीधाम में बने आश्रम में हाजिरी लगा चुके हैं। नीब करौरी बाबा 1950 से 1970 के दौरान कई बार भोपाल भी आ चुके हैं। वे यहां नेवरी के मनकामेश्वर मंदिर में रुकते थे, अब यहां उनकी स्मृति में मंदिर बनाया जा रहा है।

अपने भक्तों के बीच हनुमान जी का अवतार माने जाने वाले नीब करौरी बाबा का भोपाल से पारिवारिक नाता भी है। उनके बेटे अनेग शर्मा मप्र सरकार के मंत्रालय में कार्यरत थे और ई-4 अरेरा कालोनी में रहते थे। अब यहां उनके पोते डॉ. धनंजय शर्मा रहते हैं। वे पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट से रिटायर हुए हैं।

1962 में हुई थी कैंची धाम की स्थापना: उत्तराखंड में नैनीताल-अल्मोड़ा मार्ग पर बाबा नीब करौरी ने कैंची धाम आश्रम की स्थापना की। जिस जगह कैंची धाम आश्रम बना है वहां बाबा नीब करौरी पहली बार 24 मई 1962 को पहुंचे थे। 15 जून 1964 को कैंची धाम में बनाए गए हनुमान मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। तब से हर साल 15 जून को कैंची धाम में प्राण प्रतिष्ठा दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश-विदेश से बड़ी संख्या में बाबा के भक्त कैंची धाम पहुंचते हैं। जानीमानी हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया राबर्ट्स, बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा जैसी हस्तियां भी यहां पहुंचने वालों में शामिल हैं। नैनीताल से लगभग 65 किलोमीटर दूर कैंची धाम को लेकर मान्यता है कि यहां आने वाला व्यक्ति कभी भी खाली हाथ वापस नहीं लौटता। यहां पर की गई मनोकामना पूर्ण होती है। यही कारण है कि देश-विदेश से हजारों लोग यहां हनुमान जी का आशीर्वाद लेने आते हैं।

न माथे पर तिलक लगाते और न किसी को पैर छूने देते थे बाबा: मान्यता है कि बाबा नीब करौरी को हनुमान जी की उपासना से अनेक चामत्कारिक सिद्धियां प्राप्त थीं। लोग उन्हें हनुमान जी का अवतार भी मानते हैं। हालांकि, वह आडंबरों से दूर रहते थे। न तो उनके माथे पर तिलक होता था और न ही गले में कंठी माला। एक आम आदमी की तरह जीवन जीने वाले बाबा अपना पैर किसी को नहीं छूने देते थे। यदि कोई छूने की कोशिश करता तो वह उसे श्री हनुमान जी के पैर छूने को कहते थे। बाबा के भक्तों में एक आम आदमी से लेकर अरबपति-खरबपति तक शामिल हैं। बाबा के भक्त और जाने-माने लेखक रिचर्ड अल्बर्ट ने मिरेकल आफ लव नाम से बाबा पर पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक में बाबा नीब करौरी के चमत्कारों का विस्तार से वर्णन है।

भोपाल में रहते थे बाबा के बेटे

भोपाल शहर से बाबा नीब करौरी का विशेष नाता रहा है। वे यहां मध्यप्रदेश राज्य की राजधानी बनने से पहले अपने एक भक्त लेफ्टिनेंट कर्नल भगवान सहाय के आमंत्रण पर भोपाल आते रहते थे। बाद में भारत के राष्ट्रपति बनने वाले भोपाल निवासी डॉ.शंकर दयाल शर्मा और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैलाश सारंग भी उनके भक्तों में शामिल हो गए, लेकिन वे भोपाल में किसी के घर पर नहीं बल्कि, नेवरी के मनकामेश्वर मंदिर में रुकते थे। यहां अब बाबा की स्मृति में मंदिर बनाने की तैयारी चल रही है। डॉ. धनंजय बताते हैं कि बाद में नए मध्य

प्रदेश के गठन और राजधानी बनने पर उनके पिता यानी बाबा के बेटे अनेग शर्मा भी उत्तर प्रदेश से सरकारी नौकरी करने के लिहाज से भोपाल आ गए। उन्हें मंत्रालय में स्टेनोग्राफर के पद पर नौकरी मिली थी। रिटायरमेंट से पहले 10 साल तक वे गृह विभाग में पदस्थ रहे और डिप्टी सेक्रेटरी के पद से रिटायर हुए। उन्होंने ई-4 अरेरा कॉलोनी में मकान बनवाया था। 1957 में उनके (डॉ. धनंजय) के जन्म के समय भी बाबा भोपाल आए थे। बाबा नीब करौरी 1973 में ब्रह्मलीन हो गए। उनके पुत्र अनेग शर्मा का 2 साल पहले 23 नवंबर 2021 को 95 वर्ष की आयु में निधन हुआ है।

डॉ.शंकरदयाल शर्मा के बारे सच हुई बाबा ये भविष्यवाणी: बकौल डॉ. धनंजय भोपाल राज्य के मुख्यमंत्री रहे डॉ. शंकरदयाल शर्मा बाबा के भोपाल आने पर उनसे मिलने जरूर आते थे। कांग्रेस के कुछ तत्कालीन नेताओं से पटरी न बैठ पाने की वजह से डॉ. शंकरदयाल शर्मा परेशान रहा करते थे। एक बार वे बाबा जी से मिलने पहुंचे और उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में चल रही उथल-पुथल और चुनौतियों के बारे में बताया। तब बाबा जी ने यह कहते हुए सांत्वना दी कि निराश मत हो एक दिन तुम देश के सबसे बड़े आदमी बनोगे। उसके बाद डॉ. शंकरदयाल शर्मा 1992 में भारत के राष्ट्रपति बने।

ऐसे पड़ा नाम... बाबा नीब करौरी : उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद के पास नीब करौरी नाम की जगह पर एक विस्मयकारी घटना हुई थी। बकौल डॉ. धनंजय बाबा कहीं से गंगा स्नान कर लौट रहे थे। तब अंग्रेजों का राज था, ट्रेन में टीसी ने उन्हें बिना टिकट पकड़ लिया और ट्रेन से उतार दिया। इसके बाद वो एक खेत में जाकर बैठ गए। ट्रेन के ड्रायवर ने ट्रेन आगे बढ़ाने की कोशिश की तो वो आगे नहीं बढ़ी। काफी प्रयास किए गए, इंजन भी बदला गया लेकिन कोई असर नहीं हुआ। तब वहां बाबा जी को पहचानने वाले कुछ लोग पहुंचे। उन्होंने ट्रेन ड्राइवर और गार्ड को समझाया। ट्रेन के पूरे स्टाफ ने मिलकर बाबा जी से माफी मांगी, तब उन्होंने ड्रायवर से कहा- ÷जा अब ले जा अपनी रेलगाड़ी।÷ तब जाकर ट्रेन आगे बढ़ सकी। इस घटना के बाद वे बाबा नीब करौरी के नाम से प्रसिद्ध हो गए। आगे चलकर अंग्रेज सरकार ने नीब करौरी में रेलवे स्टेशन भी बनवाया। धीरे-धीरे बाबा जी की ख्याति विदेशों तक पहुंच गई।

बाबा जी की शादी 12-13 साल की उम्र में हो गई थी। शादी के बाद मां का निधन हो गया। पिता जी जमींदार थे। उन्होंने दूसरी शादी कर ली, लेकिन सौतेली मां बाबा को पसंद नहीं करती थी। एक बार पिता बाहर गए थे, तो सौतेली मां ने उन्हें कमरे में बंद कर दिया। वे उसी कमरे में गुड़ फोड़ने वाले सूजे से छत तोड़कर घर से भाग निकले थे। उसके बाद किसी को पता नहीं चला कि बाबा जी आखिर कहां गए।

पत्नी ने किया तंज तो दिखाया ये चमत्कार: बताते हैं कि बाबा नीब करौरी जब तपस्या करके लौटे तो उनकी पत्नी ने व्यंग्य कर दिया था कि तुम कुछ नहीं जानते, जटाएं बढ़ाने से ही बाबा नहीं बन जाते ? तब बाबा जी ने भी जवाब देते हुए कहा था कि तेरे लिए तो घर का जोगी जोगना, आन गांव का सिद्ध वाली कहावत है। इसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी से सरसों के दाने बुलवाए। बाबा नीब करौरी उन दानों को करीब 1 मिनट तक चबाते रहे। जब उन्होंने मुंह से सरसों निकालकर हथेली में ली तो सरसों के दानों में से दो-दो पत्तियां निकल आई। बाबा जी की पत्नी उग्र स्वभाव की थीं।

एक समय में दो-दो जगह मौजूद हो जाते थे: बाबा नीब करौरी के पौत्र डॉ. धनंजय शर्मा बताते हैं कि उनके पास ऐसी दैवीय शक्ति थी कि वो एक ही समय दो अलग-अलग जगह उपस्थित हो जाते थे। एक बार बाबा जी अपनी बेटी की शादी में आगरा में मौजूद थे। उसी समय वो लखनऊ के डीआईजी ओमकार सिंह के यहां भी शादी समारोह में भी शामिल होते नजर आए।

ऐसी सिद्धि कि मर हुए आदमी को जिंदा कर दिया: डॉ. धनंजय शर्मा ने बताया कि बाबा जी के पास मर हुए इंसान को भी जिंदा करने की भी सिद्धी थी। उन्होंने बताया कि वे ऐसा दावा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बाबा जी ने जिस व्यक्ति को जिंदा किया था, उसकी मृत्यु 3-4 साल पहले ही हुई है। उस व्यक्ति ने खुद भी इस बारे में सैंकड़ों लोगों को ये किस्सा सुनाया। हुआ यूं कि उप्र के बरेली के डीआईजी पुलिस के पांच बेटे थे। पांचवें बेटे का नाम युधिष्ठिर था। युधिष्ठिर पढ़ाई में कमजोर था, लेकिन कार चलाने में एक्सपर्ट था। युधिष्ठिर के पिता ने उसे बाबा जी की सेवा में सौंप दिया था जिसे लेकर वे नैनीताल चले गए। वहां एक शाम खुले में शौच करते समय युधिष्ठिर को सांप ने काट लिया जिससे उसकी मौत हो गई। देर शाम हुई घटना की जानकारी बाबा जी को सुबह दी गई तो वे बहुत नाराज हुए। उन्होंने तुरंत डॉक्टर को बुलाने का आदेश दिया। डॉक्टर आए तो उन्होंने भी चैकअप के बाद युधिष्ठिर को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद बाबा जी अपने कमरे से नीचे उतरे, उन्होंने बाबा मौजूद पंडित से कहा कि युधिष्ठिर के लिए चाय बना लाओ। ये सुनकर पंडित घबरा गया, लेकिन बाबा जी के आदेश को नकार नहीं सका। लिहाजा वो चाय बना लाया। युधिष्ठिर के मृत शरीर के बाजू में बैठे बाबाजी ने उसके कंधे पर हाथ रखते हुए कहा कि उठ जाओ, चाय पीलो। यह कहते ही युधिष्ठिर उठकर बैठ गया।

करोड़ों की चीरघर की जमीन के मामले में कांग्रेस मौन क्यों?

नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे ने उठाए सवाल, हमारी शिकायत पर हुआ लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज

छिंदवाड़ा। नगर के हृद्वय स्थल चीरघर की जमीन पर बनने वाले छिंदवाड़ा सिटी बस ट्रांसपोर्ट टर्मीनल एवं पी.पी.मोड में बनने वाले बहुमंजिला काम्पलेक्स को लेकर तत्तकालीन निगम आयुक्त इच्छित गढ़पाले एवं कार्यपालन यंत्री एन.एस.बघेल पर कूटरचित दस्तावेज बनाकर भूमाफियाओं को फायदा पहुंचाने की शिकायत पर लोकायुक्त ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

शिकायतकर्ताओं में नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे भी थे। उन्होने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि इस मामले में कांग्रेस चुप क्यों है क्योकि उनकी सरकार में यह सब खेल हुआ है। उन्होने आरोप लगाया कि फ्री होल्ड की 21 हजार वर्ग फिट जमीन मिलने पर ठेकेदार इससे 500 करोड़ रूपए कमाता लेकिन शिकायत के बाद जब लगातार जांच हुई तो लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज हुआ। लेकिन कांग्रेस कुछ बोलने को तैयार नहीं है। नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे ने बताया कि तत्तकालीन आयुक्त इच्छित गढ़पाले ने 21000 वर्गफिट जमीन पी.पी.मोड में बहुमंजिला इमारत बनाने ठेकेदार को दे दिया था लेकिन फ्री होल्ड में जगह देने का अधिकार निगम को नहीं है।

कौन है मधुवन एसोसिएट

ठेकेदार काशीनाथ डिगरसे को टेण्डर मिला लेकिन मधुबन एसोशियेट कहां से आ गया। उन्होने कहा कि यदि लोकायुक्त में एफआईआर नहीं होती तो मामला दबा दिया जाता और ठेकेदार मानसरोवर काम्पलेक्स जैसी बहुमंजिला इमारत बनाकर 500 करोड़ रूपए कमाता उन्होने कहा कि सभी कार्रवाई भाजपा शासन में हुई।

23 को होंगे लोकायुक्त में ब्यान

नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे ने भी लोकायुक्त में इसकी शिकायत की थी उन्होने बताया कि लोकायुक्त में उनके ब्यान दर्ज होंगे 23 मई को वे ब्यान देने जाएंगे।

कन्यादान योजना में घटिया सामग्री के सप्लायर कांग्रेस के लोग

कन्यादान योजना के तहत हुए सामूहिक विवाह में घटिया सामग्री की सप्लाई को लेकर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे ने आरोप लगाया कि जिन फर्मो से खरीदी की गई है वह सब कांग्रेस से जुड़े लोग हैं जिन्होने घटिया स्तर का सामान खरीदा । कलर टी.वी. और अन्य सामान की सप्लाई संजय तिवारी इंटरप्राईजेस से की गई वर्तन की सप्लाई जैन वर्तन भंडार ने किया, महिलाओं को जो घटिया और फटी साड़ी और अन्य कपड़े दिए गए हैं उसकी सप्लाई विजय वस्त्र भंडार गांधीगंज द्वारा की गई। चांदी का सामान सुरेन्द्र कुमार झाबुआ से लिया गया जिसमें जो चांदी के आभूषण लिए गए हैं उसमें 56 प्रतिशत ही चांदी है। आर.के.सप्लायर स्टील की आलमारी, पलंग, अन्य सामग्री घटिया सप्लाई की गई। उन्होने कहा कि प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने इसकी जांच के आदेश दिए थे जिसमें जांच हुई है। उन्होने बताया कि भोजन का टेंडर भी गांधीगंज के डागा को मिला जिन्होने तीन हजार लोगों को भोजन परोसा और 20 से 25 हजार लोगों को खाना खिलाने का बिल दे रहे हैं।

इन फर्मो ने की सप्लाई
संजय तिवारी इंटरप्राईजेस
जैन वर्तन भंडार
विजय वस्त्र भंडार
चांदी का सामान
सुरेन्द्र कुमार झाबुआ
भोजन टेंडर डागा

शराब ठेकेदार बनाएगा काम्पलेक्स

बताया जाता है कि इस काम्पलेक्स में बड़े भू माफियों का खेल है। जिन लोगों ने यह निर्माण कराया उन लोगों ने एक बड़े शराब ठेकेदार को मामला पलटा दिया है।

मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर अभियान के अंतर्गत छिन्दवाड़ा में खोले जाएंगे आरआरआर सेंटर

छिन्दवाड़ा। शहर में मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर अभियान के अंतर्गत 4 आरआरआर (रिड्यूस-रीयूज-रीसाइकल) सेंटर खोले जाएंगे। इन सेंटरों के माध्यम से लोग अपने घर से रीयूज एवं रीसाइकल के योग्य सामग्री जैसे कपड़े, जूते, किताबें, खिलौने, प्लास्टिक की वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक सामान इत्यादि को अलग करके इन सेंटरों पर जमा कर सकेंगे। इन सेंटरों के माध्यम से, इन सामग्रियों को जरुरतमंदों को दिया जायेगा अथवा जो सामग्री रीसाइकल योग्य होगी उसे रीसाइकल किया जाएगा और शहर को कचरा मुक्त बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल स्वैच्छिक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य संगठनों के सहयोग से चलाई जाएगी और प्रथम चरण में इन सेंटरों की स्थापना शहर में 4 जोन कार्यालयों ङ्क 1. जोन कार्यालय एकता कॉलोनी वार्ड क्रमांक 36, 2 . जोन कार्यालय जगन्नाथ स्कूल वार्ड क्रमांक 13, 3 . जॉन कार्यालय कुकड़ा जगत वार्ड क्रमांक 4, एवं 4 . जॉन कार्यालय नोनिया करबल में की जाएगी। इस अभियान का शुभारंभ 20 मई 2023 को किया जाएगा एवं इन सेंटरों का संचालन गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य संगठनों के द्वारा किया जाएगा। मेरी लाइफ मेरा स्वच्छ शहर अभियान के अंतर्गत निकाय में क्रक्रक केंद्रों को स्थापित करने हेतु कलेक्टर परिसर सभाकक्ष में कलेक्टर महोदया की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई और निगम सभाकक्ष में भी एक बैठक दिनाँक 18 मई 2023 को आयोजित की गई, जिसमें सेल्फ हेल्प ग्रुप, एनजीओ और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने उपस्थिति दर्ज की। आप सभी गणमान्य नागरिकों से अनुरोध है कि अपने घर की अनउपयोगी वस्तुएं जो कि दूसरों के काम आ सकती हैं दिनाँक 20 मई 2023 से उपरोक्त केन्द्रों पर दें एवं नगर निगम छिन्दवाड़ा की अपने शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाये रखने की एक नई पहल का हिस्सा बनें।

एक प्राथमिक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री सत्येन्द्र सिंह मरकाम द्वारा निरीक्षण के दौरान संस्था से अनुपस्थित रहने व अभिलेखों का संधारण नहीं करने पर जारी किये गये कारण बताओ सूचना पत्र का उत्तर समाधानकारक नहीं पाये जाने और पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और उदासीनता बरतने व उक्त कृत्य कदाचरण की श्रेणी में आने पर जिले के विकासखंड बिछुआ के ग्राम सालीवाड़ा की शासकीय प्राथमिक शाला के प्राथमिक शिक्षक श्री बलवंत उईके को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है । निलंबन अवधि में श्री उईके का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय हर्रई रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी ।

१

युवानित नए आयामों को छू रहे है : बंटी साहू

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 40 में युवाओं को युवा चौपाल के माध्यम से संबोधित किया और युवाओं को देश का अभिन्न अंग बताया और आज देश के युवा नित नए आयामों को छू रहे है । युवा मोर्चा अध्यक्ष बिट्टू विवेक मंडराह ने युवा-चौपाल में पधारे समस्त युवाओं को धन्यवाद किया और कहां कि आज केन्द्र की शिवराज सरकार एवं प्रदेश की शिवराज सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में युवा भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ रहे है । छिंदवाड़ा जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू की पार्टी में सक्रिय होकर कार्य कर रहे है जिससे युवाओं सहित आमजन में उनके प्रति विश्वास बढ़ा है । हम सभी युवाओं को भाजपा के संगठन के विस्तार में कार्य करते रहना है । इस अवसर पर जिला महामंत्री युवा मोर्चा पंकज मूंगिया, सत्येंद्र सेमेकर, कमलेश सदारंग, रविन्द्र सेठिया, युवा मोर्चा मंत्री नीरज कराडे, उपाध्यक्ष लकी पाल, राहुल रसेला, राजा साहू, अंकित कपाले, कुणाल पाल, दिव्यांशु कपाले, दीपक सेमेकर, प्रिंस डेहरिया, प्रशांत डेहरिया, प्रशांत रविकर, यस, अनंत चोबीतकर, निशांत कराडे, मयंक नांदेड़,निखिल आलोनकर, बबलू पिपले, योगेश चरपे, रोहित परतेती, योगेश चरपे, मीत चरपे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के युवा उपस्थित रहे ।

नगर निगम क्षेत्र वार्ड क्र. 40 में हुई युवा चौपाल

जिला पुरातत्व,पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की प्रबंधकारिणी की बैठक 23 को

छिन्दवाड़ा। जिला पुरातत्व,पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की प्रबंधकारिणी की बैठक आगामी 23 मई को शाम 4 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है । इस बैठक में संबंधित विभाग प्रमुखों के साथ ही प्रबंधकारिणी के सदस्यों और अशासकीय सदस्यों से उपस्थिति का अनुरोध किया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं सचिव जिला पुरातत्व,पर्यटन एवं संस्कृति परिषद श्री पार्थ जैसवाल ने बताया कि इस बैठक में डीएटीसीसी के द्वारा पर्यटन विकास की आगामी कार्ययोजना, म.प्र टूरिज्म बोर्ड द्वारा जारी पर्यटन अभिसरण परियोजना से जिले के पर्यटन क्षेत्रों का विकास कार्य और जिले के पर्यटन स्थल देवगढ पर आधारित कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन व जिले की टूरिस्ट गाईड बुक का प्रकाशन पर चर्चा की जायेगी । साथ ही डीएटीसीसी द्वारा वर्ष 2022-23 के आय-व्यय का अनुमोदन व वर्ष 2020-21 से 2022-23 तक की अवधि का अंकेक्षण कार्य के प्रस्ताव के अनुमोदन के साथ ही अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी।

22 मई को धूमधाम से मनाई जाएगी महाराणा प्रताप जयंती

छिंदवाड़ा। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 483 वीं जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर गुलाबरा चौक स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा के समक्ष विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन राजपूत क्षत्रिय समाज द्वारा किया जाएगा। जयंती के अवसर पर समाज के वृद्धजनों का सम्मान किया जाएगा और शोभायात्रा भी निकाली जाएगी।

राजपूत क्षत्रिय समाज छिंदवाड़ा क्षेत्र समिति, नगर समिति, क्षेत्रीय नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल के द्वारा जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। राजपूत क्षत्रिय समाज छिंदवाड़ा क्षेत्र अध्यक्ष शिवभवन सिंह भारद्वाज ने बताया कि 22 मई दिन सोमवार को शाम 5.00 बजे से कलेक्ट्रेट रोड स्थित महाराणा प्रताप चौक पर जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, चौधरी चंद्रभान सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, निगम महापौर विक्रम आहाके, निगम अध्यक्ष श्री सोनू मार्गो, राजपूत क्षत्रिय समाज के प्रांतीय अध्यक्ष जयकेश सिंह भारद्वाज, प्रांतीय मुख्य संरक्षक जोगेंद्र सिंह सेंगर , पूर्व प्रांतीय मुख्य संरक्षक सत्यनारायण सिंह भारद्वाज उपस्थित रहेंगे।

22 मई को कैरियर कॉउंसलिंग सत्र का आयोजन

राजीव कांग्रेस भवन में लगेगा सत्र

छिन्दवाड़ा। शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में रोजगार पाने के लिये शुरुआती नींव का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिये सही विषयों का चयन भी महत्वपूर्ण होता है। विद्यार्थियों और अभिभावकों, पालक व परिजनों के के सामने प्रश्न आता है कि ग्यारहवीं में कौनसा विषय लेने पर कैरियर अच्छा बनेगा ? सरकारी नौकरी की तैयारी के लिये कौनसा विषय लें ? समझ ही नहीं आ रहा है कि आगे किस कॉलेज में दाखिला लें ? भविष्य के लिये कौनसी तकनीक सीखना चाहिये ? क्या बीएससी के साथ एमबबीएस की तैयारी करना ठीक रहेगा ? ऐसे अनेकों प्रश्नों के साथ छात्र-छात्रायें अपने कैरियर को लेकर चिंतित हो रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ एवं सांसद श्री नकुलनाथ के प्रयासों से युवाओं की इन्हीं दुविधाओं को देखते हुये स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में 22 मई 2023 को दोपहर 12 से 2 बजे तक कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। उक्त संदर्भ में जानकारी देते हुये संयोजक कीर्ति सोनी ने बताया कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन पंजीयन करवाया है। जिसमें उनके द्वारा अनेकों प्रश्न पूछे गये हैं। आयोजित होने वाले सत्र में मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैंनेजमेंट, एकाउंटिंग, एग्रीकल्चर, बायो टेक्नोलॉजी, टेक्निकल, आर्टिफिकल इंटेलिजेंसी, फैशन डिजाइनिंग, सरकारी नौकरी, बिजनेस आदि की जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा दी जावेगी। सत्र में सेज यूनिवर्सिटी भोपाल, रेनेस्सांस यूनिवर्सिटी इंदौर, टीसीएस, एचसीएल के प्रतिनिधि भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देंगे। कीर्ति सोनी ने अभिभावकों से निवेदन किया है कि वे भी विद्यार्थियों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। सत्र में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थी राजीव कांग्रेस भवन अथवा, मो.8349107040 पर संपर्क कर अपना पंजीयन कर

मप पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता हेतु छिन्दवाड़ा जिले की टीम का चयन 20 मई को

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया आगामी 27,28 मई 2023 को नेहरू स्टेडियम इंदौर में म.प्र.पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें खिलाड़ियों को मैडल प्रमाण पत्र व नगद राशि भी उपहार स्वरूप दी जावेगी । इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छिन्दवाड़ा जिले की टीम का चयन सर्वोत्तम हेल्थ क्लब स्टेडियम ग्राउण्ड छिन्दवाड़ा में दिनांक 20 मई 2023 शाम 4 बजे से आयोजित की जावेगी। प्रतियोगिता में सब जूनियर ,जूनियर ,सीनियर व मास्टरर्स (महिला एवं पुरूष) वर्ग के जिले के कोई भी खिलाड़ी भाग ले सकते है। आयु प्रमाण पत्र साथ में लावें। चयनित टीम दिनांक 26 मई 2023 को इंदौर के लिये रवाना होगी।

वोट बैंक की राजनीति में शिक्षा व्यवस्था चौपट

पांचवी आठवी के परीक्षा परिणामों से पालकों में आक्रोश

छिंदवाड़ा। शासन की बोर्ड परीक्षा की जिद नौनिहालों और पालकों को भारी पड़ रही है। अवयवस्थाओं के बीच जैसे-तैसे परीक्षाएं तो हो गई लेकिन अब बच्चे, पालक और स्कूल परीक्षा परिणामों को पता करने इधर से उधर भटक रहे हैं। आधी अधूरी तैयारियों के बीच दो चरणों में परिक्षाएं पूर्ण हुई वहीं चार दिन बीत जाने के बाद भी कई बच्चे अपना परीक्षा परिणाम नहीं देख पा रहे है। इस बीच जिन बच्चों के परीक्षा परिणाम मिले हैं वह भी संतोषजनक नहीं हैं। कई बच्चों को अनुत्तीर्ण कर दिया गया है जबकि पालकों के अनुसार उनका शैक्षणिक स्तर कहीं बेहतर है। ऐसे बच्चों के पालक पेपर खुलवाने का प्रयास कर रहें है लेकिन शासन ने इसकी व्यवस्था ही नहीं बनाई। पालक परेशान है कि पेपर खुलवाने कहां जाएं।

जिला अशासकीय शाला ला संघ के अध्यक्ष आंतनु दासगुप्ता ने बताया कि शासन द्वारा तैयारियां न होने के बावजूद भी बोर्ड परीक्षाएं ली गई । वही अब परीक्षा परिणामों को लेकर असंतोष व्याप्त हो रहा है। शासकीय स्कूलों की तुलना में प्रायवेट स्कूलों के परीक्षा परिणामों भारी त्रुटियां पाई जा रहीं है। प्रत्येक सेंटरवार परीक्षा परिणामों का आंकलन करने पर पाया गया कि प्रायवेट स्कूलों के बच्चों का जानबूझकर फेल किया गया है। इस संबंध में पालक भी परीक्षा परिणाम से सहमत नहीं हैं। संघ द्वारा शासन से मांग की जा रही है कि सभी असंतुष्ट पालकों एवं संस्था प्रमुखों के समक्ष उत्तर पुस्तिका का अवलोकन किया जाए। जिला सचिव मनीष तिवारी ने बताया है कि वर्तमान वर्ष में शासन के आदेषानुसार प्रशासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बहुत से नए प्रयोग किए गए जिसे पूर्ण करने के लिए शिक्षा के आर.टी.ई. के नियमों का उलंघन करने से भी नही चूके साथ ही मध्यप्रदेष के मुखिया भी शिक्षा के क्षेत्र को एक राजनितिक आखाड़ा बनाने से भी नही चूक रहें है सत्र2022-23 में मध्यप्रदेष में शिक्षा के क्षेत्र में निम्न नए प्रयोग हुए जिसका दुष्परिणाम कुछ के तो आज ही नजर आ रहे है और कुछ के दुष्परिणाम आने वाले समय में दिखाई देंगें। आर.टी.ई. के अनुसार कक्षा पहली से आठवी तक बच्चों का केवल मूल्यांकन किया जाना है परीक्षा लेकर अनुत्तीर्ण नहीं किया जाना यह मध्यप्रदेष राजपत्र में स्पष्ट उल्लेख है, किन्तु कक्षा पाँचवी व आठवी में अनुत्तीर्ण का प्रावधान रखा गया है।

नारी सम्मान योजना से मातृशक्ति के जीवन में आयेगा बड़ा बदलाव : कांग्रेस

हर्रई ब्लॉक में नारी सम्मान योजना के भरे गये फार्म

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सीएम श्री कमलनाथ की नारी सम्मान योजना को माताओं, बहनों व बेटियों का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। मातृशक्ति निरंतर योजना के फार्म भर रही है। जिले के सांसद श्री नकुलनाथ की मंशा है कि जिले के प्रत्येक घर तक योजना का लाभ पहुंचे, उनकी मंशा को दृष्टिगत रखते कांग्रेस ब्लॉकवार समारोह का आयोजन कर नारीशक्ति से फार्म भरवा रही है साथ ही नारी सम्मान योजना से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी से अवगत भी कराया जा रहा है।

हर्रई विकासखण्ड में आज आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि नारीशक्ति के बीच लोकप्रिय **नारी सम्मान** योजना से हमारी माताओं, बहनों व बेटियों के जीवन में बड़ा बदलाव आयेगा। आत्मनिर्भर होकर वे स्वयं के पैरों पर खड़ी हो सकेंगे साथ ही परिवार को आर्थिक मदद भी पहुंचायेंगी। श्री ओक्टे ने अपने उदबोधन में आगे कहा कि नारी सम्मान योजना घोषणा नहीं अपितु पूर्व सीएम श्री कमलनाथ का वचन है। योजना के संदर्भ में जानकारी देते हुये उन्होंने उपस्थित मातृशक्ति से कहा कि **नारी सम्मान योजना** के तहत प्रत्येक माताओं, बहनों व बेटियों को प्रतिमाह 15 सौ रुपये इस तरह वार्षिक 18 हजार रुपये प्राप्त होंगे जबकि 5 सौ रुपये में रसोई गैस सिलेंडर मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना का लाभ लेने के लिये हमारी नारी शक्ति को कतार में खड़े होने और दस्तावेजों के सत्यापन की आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता स्वयं आपके घर आयेंगे और योजना का फार्म भरेंगे। आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक कमलेश शाह, जिला कांग्रेस विश्वनाथ ओक्टे, हर्रई ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार ठाकुर, बटका ब्लॉक अध्यक्ष कमलभान शाह, धनौरा ब्लॉक अध्यक्ष सुनील नेमा, जिला पंचायत सदस्य नवीन मरकाम, कार्यवाहक अध्यक्ष गोविंद राय व पर्यवेक्षक कमल राय, नगर पालिका अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, कांग्रेस के समस्त अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र की मातायें, बहनें व बेटियां उपस्थित रहीं।

मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन पाए जाने पर 14 वाहनों पर 21500 रुपए का जुर्माना

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिये गये निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री मनोज कुमार तेहनगुरिया के मार्गदर्शन में परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा गुरुवार को नागपुर मार्ग पर वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान बस संचालक द्वारा यात्रियों से बलपूर्वक अधिक किराया लेने और क्षमता से अधिक सवारी बसों मे बैठाया जाना, वाहनों में किराया सूची नहीं लगी पाये जाने की मिल रही शिकायतों को देखते हुए सवारी बसों के साथ ही ऑटो रिक्शा की भी जाँच की गई। जिन वाहन संचालकों द्वारा मध्यप्रदेश मोटर यान अधिनियम का उल्लंघन पाया गया, उन वाहनों पर तत्काल चलानी कार्यवाही करते हुए लगभग 14 वाहनों पर 21500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। साथ ही ट्रेक्टर ट्रॉलियों में रिफलेक्टर रेडियम लगाया गया और अन्य बस संचालकों को समझाईश दी गई कि अगर भविष्य में इस तरह की शिकायत प्राप्त होती है, तो परिवहन अधिकारी द्वारा उन बसों का परमिट निरस्त करते हुए जप्ती की कार्यवाही भी की जायेगी।

सट्टा पट्टी काटते युवक धराया

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत बाजार स्थित तीन सेट सब्जी मंडी मैं अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य सट्टा पट्टी काटते हुए प्रधान आरक्षक जय सिंह बघेल एवं आरक्षक प्रदीप भलावी ने मुखबिर की खबर पर आरोपी को सट्टा पट्टी तथा ?425 नगद पेन कागज सहित धर दबोचा आरोपी विरुद्ध सट्टा एक्ट मैं पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल के विरुद्ध आप ने सौंपा ज्ञापन

प्रभारी मंत्री से माफी मॉगे जाने की मांग

छिंदवाड़। आज आम आदमी पार्टी जिला इकाई छिंदवाड़ा द्वारा प्रदेश के राज्यपाल के नाम जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया कि विगत दिनों भोपाल में आयोजित जाट महाकुंभ में पार्टी के प्रदेश प्रभारी बी.एस. जून एवं प्रदेश के कृषि और जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल भी इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुँचे थे, इसी दौरान जैसे ही हमारे प्रदेश प्रभारी श्री बी.एस. जून ने मंच से प्रदेश के किसानों के हित की बातें की तो प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल द्वारा श्री जून को मंच से नीचे उतारने की धमकी दी ।

आम आदमी पार्टी जिला इकाई हमारे प्रदेश प्रभारी के साथ किये गये इस तरह के अमानवीय व्यवहार की घोर निन्दा करती है, और आपसे विनम्र अनुरोध है कि प्रदेश के कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जावे एवं प्रभारी मंत्री प्रदेश के किसानों से माफी मांगे अन्यथा पार्टी किसानों के हित में संपूर्ण प्रदेश में उग्र आंदोलन करेगी । इस अवसर पर पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र विश्वकर्मा, जिला सचिव राजू पाण्डे, प्रदेश उपाध्यक्ष एस.टी. प्रकोष्ठ प्रहलाद कुसरे, यूथ विंग जिलाध्यक्ष राहुल गढ़ेवाल, जिला उपाध्यक्ष हर्ष यदुवंशी, कार्यक्रम प्रमुख दीपक पवार, किसान संघ जिलाध्यक्ष अरूण चैरे, एस.टी. अध्यक्ष रतिराम उइके, उपाध्यक्ष राजेन्द्र भांडे, सादिक खान, लोकसभा सचिव जिब्राईल बाबा, ब्लाक अध्यक्ष जुन्नारदेव महेन्द्र शाह उइके, ब्लाक परासिया अध्यक्ष महेन्द्र भगत, जिला सचिव महिला संध्या सूर्यवंशी, ब्लाक तामिया अध्यक्ष कलीराम कवरेती, महिला अध्यक्ष रिंकू सिंह खान, आदर्श विश्वकर्मा एवं विजय चन्द्रवंशी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

धर्मनगरी छिंदवाड़ा में मनाया गया मोक्षकल्याणक दिवस

छिंदवाड़ा। आज धर्मनगरी छिंदवाड़ा में 16 वें तीर्थकर श्री शांतिनाथ का मोक्षकल्याण दिवस मनाया गया । उक्ताशय की जानकारी गोलापूरब समाज छिंदवाड़ा के अध्यक्ष सुजीत जैन ने देते हुये बताया कि इस अवसर पर पावन मंगल सानिध्य तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री महाराज ससंघ निर्वाण लाडू सजाने में प्रथम स्थान प्राप्त किया । अनेकांत महिला मंडल गोला पूरब समाज कांच मंदिर ने 16000 रूपये की राशि का पुरूस्कार प्राप्त हुआ, पालन निर्वाण दृश्य के साथ सजावट के साथ लाडू तैयार करने में दोपहर 3 बजे से रात्रि 12 बजे तक 9 घंटे तक अनेकांत महिला मंडल की रश्मि जैन, नीलमणि जैन, उषा जैन, मधु पटेरिया, ज्योति पटेरिया, मिली जैन, महिमा जैन, एकता जैन, मीनू जैन, अनुभा जैन, सुषमा जैन ने अपना बहुमूल्य समय दिया और सामग्री एकत्रित करने में अंकिता जैन, मधुश्री जैन का विशेष सहयोग रहा । आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज ने अनेकांत महिला मंडल के द्वारा बनाये गये निर्वाण लाडू के लिये मंडल को अपना आशीर्वाद दिया ।

यूनिवर्सिटी की लापरवाही के खिलाफ एनएसयूआई ने खोला मोर्चा

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी की लापरवाही एवं खराब रिजल्ट और यूनिवर्सिटी की कार्यप्रणाली से परेशान छात्र-छात्राओं के समर्थन में अब जिला एन.एस.यू.आई. ने यूनिवर्सिटी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और अब कार्यकर्ता यूनिवर्सिटी और कुलपति के विरोध में सकड़ पर उतर गये हैं इसी क्रम में आज 18 मई दिन गुरूवार को एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी के सामने सदबुद्धि यज्ञ कर भगवान से कामना की, कि वे कुलपति को सदबुद्धि दे । जिला एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष अजय ठाकुर ने बताया कि जिला एन.एस.यू.आई. द्वारा लगातार छात्र-छात्राओं की समस्याओं उनके खराब रिजल्ट एवं उनकी विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया एवं धरना प्रदर्शन के माध्यम से अपनी बात रखी गयी परंतु आज दिनांक तक इन समस्याओं कोई निराकरण न होते देख, एन. एस. यू. आई. ने अध्यात्म का रास्ता चुना और विधि विधान से पूजा अर्चन कर यूनिवर्सिटी प्रांगण में सदबुद्धि यज्ञ किया गया और ईश्वर से कामना की कुलपति द्वारा छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ न हो । ठाकुर ने आरोप लगाया कि प्रभारी कुलपति के चेम्बर में हमेशा ही ताला जड़ा रहता है ऐसी स्थिति में छात्र-छात्राओं की समस्या का निराकरण संभव नहीं है । इससे ऐसा प्रतीत होता है कि वे सिर्फ

छिंदवाड़ा अपनी छुटटी मनाने ही आते हैं । इस अवसर पर ठा. विश्वेन्द्र सिंह बैस, मोनू ठाकुर, नितिन डेहरिया, निहाल सक्सेना, समर्थ मैद, इमरान अली, पियूष शर्मा, मोन्टी खान, सत्येन्द्र अहिरवार, तनुल शर्मा, अंशुल शर्मा, सूरज बिहारे, नयन डेहरिया, अभि काकोड़िया, कैफ खान, नूर खान, अमन सक्सेना, बंटी पटेल, अर्पित तिवारी, राहुल कसार, अनमोल साहू, लक्की साहू, सुभाष डेहरिया, शिवम ठाकुर, प्रिन्स चैबे, मन्नू राय, अनुराग जम्होरे, मोईश खान, अहमद रजा, विकास डेहरिया, कृष्णा चैरसिया, अभिषेक विश्वकर्मा, अभिषेक चैरसिया, महिमा बोन्डे, निखिल वानखेड़े, निखिल आहके, सिद्धार्थ भार्गव सहित एन.एस.यू.आई. पदाधिकारी एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित थे ।

स्वर्गीय अनिल माधव द्वारा प्रकाशित नर्मदा समग्र को पीएम मोदी का मिला संदेश

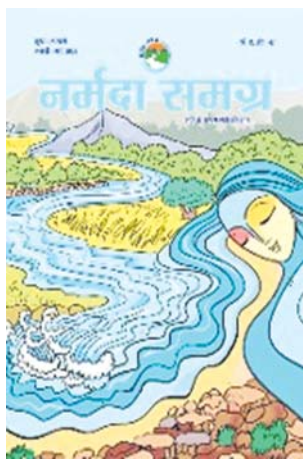

स्वर्गीय अनिल माधव दवे जी द्वारा नर्मदा और सहायक नदियों पर होने वाले कार्यों पर केंद्रित तथा पर्यावरण चेतना के लिये संस्था के मुखपत्र के रूप में नर्मदा समग्र पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया गया था, जिसका ताजा अंक नीर, नदी और नारी पर केंद्रित है।

इस पत्रिका को सबका आशीर्वाद और प्रतिसाद मिलता रहा है। घाट सफ़ाई, हरियाली चुनरी, नदी स्वास्थ्य और जागरूकता आदि नर्मदा समग्र के विनम्र प्रयास हैं। इस अंक के लिये हमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का वृहद संदेश प्राप्त हुआ है, जो आपके और हम सब के इस दिशा में किये गये कार्यों को रेखांकित करता है। साथ ही प्रधान मंत्री जी द्वारा 'नारी नेतृत्व में विकास' का मंत्र दिया है। नदी अनुरागी, नर्मदासुत अनिल दवे जी के लिये इससे बेहतर श्रद्धांजलि नहीं हो सकती थी।

प्रधान मंत्री
Prime Minister
संदेश

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
24 मार्च, 2023

भोपाल के मरघटिया मंदिर में शनि जयंती पर शनि भगवान का अभिषेक किया गया इस मौके पर पूर्व महापौर आलोक शर्मा श्री महंत कन्हैया दास महाराज एवं अनिल आनंद महाराज की उपस्थिति में अभिषेक किया गया।

शनि जयंती पर शनि महाराज को तेल का अभिषेक करते श्रद्धालु कमला पार्क शनि मंदिर में।

भोपाल। भाजपा कार्यालय में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दौरान नेताओं के बीच मेल-मुलाकात और हंसी ठहाके की झलकियां।

कमलनाथ अपने साथ संजय शुक्ला को भोपाल ले गए, आज गुवाहाटी भी जाएंगे

इंदौर। कांग्रेस की राजनीति में कल शाम उस समय नया मोड़ आया जब कमलनाथ भोपाल लौटते समय अपने साथ इंदौर के क्षेत्र क्रमांक 1 के विधायक संजय शुक्ला को साथ ले गए। इससे इंदौर की राजनीति में गर्माहट आ गई। इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि आखिर ऐसी कौनसी बात थी, कि कमलनाथ संजय शुक्ला को अपने साथ ले गए और आज दोनों गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शन करने भी जाएंगे।

धार और इंदौर के कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ भोपाल रवाना होने लगे तो वे कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला को अपने साथ लेकर गए। कमलनाथ ने गुरुवार को शहर में कई कार्यक्रमों

में भाग लिया। इसके बाद रात को जब वे भोपाल के लिए रवाना हुए तो उन्होंने शुक्ला को भी अपने साथ ले लिया। बिना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के शुक्ला कमलनाथ एक साथ भोपाल रवाना हो गए। आज वे कमलनाथ के साथ गुवाहाटी जाएंगे। वहां दोनों कामाख्या माता के मंदिर पर दर्शन और पूजन करेंगे।

संजय शुक्ला को कमलनाथ के अपने साथ ले जाने से शहर की राजनीति गर्मा गई है। इस समय इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति का मामला अटका हुआ है। इसी बीच शुक्ला को दिए गए महत्त्व से यह स्पष्ट हो गया कि अब आने वाले समय में भी इंदौर की कांग्रेस की राजनीति में संजय शुक्ला की पसंद महत्वपूर्ण होगी। विधानसभा चुनाव से पहले यह स्थिति शुक्ला के लिए फायदेमंद बताई जा रही है।

मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस का 6 महीने का एक्सटेंशन, अब 30 नवंबर तक रहेंगे पद पर

भोपाल। एक बार फिर मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव को लेकर चल रहे कयासों पर विराम लग गया। केंद्र सरकार ने मौजूदा मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को 6 महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। अब बैंस 30 नवंबर तक बतौर चीफ सेक्रेटरी के पद पर अपनी सेवाएं देते रहेंगे।

मध्यप्रदेश में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में चुनाव से पहले कई राजनीतिक उठापटक भी देखने को प्रदेश में मिल रही है, आए दिन अधिकारियों के तबादले हो रहे हैं। ऐसे में अब खबर आ रही है कि वर्तमान मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को एक बार फिर से 6 महीने का एक्सटेंशन दिया गया है।

तीन चीतों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, पूछा- चीतों को कूनो से शिफ्ट क्यों नहीं कर रहे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में दो माह के अंदर 3 अफ्रीकी चीतों की मौतों पर चिंता जताई है। कोर्ट ने चीतों की सुरक्षा को देखते हुए केंद्र को राजनीति से ऊपर उठते हुए इन्हें राजस्थान शिफ्ट करने पर विचार करने को कहा है। अदालत ने वन्यजीव विशेषज्ञ समिति को 15 दिन के अंदर चीता टास्क फोर्स को सुझाव देने के निर्देश भी दिए हैं।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने कहा कि एक्सपर्ट रिपोर्ट से लगता है कि चीतों की बड़ी आबादी के लिए कूनो में पर्याप्त स्थान और संसाधन नहीं हैं, इसलिए केंद्र सरकार को दूसरे पार्क या सेंचुरी में चीतों की शिफ्टिंग पर विचार करना चाहिए।

कोर्ट ने पूछा- आप राजस्थान में जगह की तलाश क्यों नहीं करते? केवल इसलिए कि वहां विपक्षी पार्टी का शासन है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि चीता टास्क फोर्स मौत के कारणों और इन्हें दूसरी सेंचुरी में शिफ्ट करने के पहलुओं की जांच कर रही है।

इस पर कोर्ट ने कहा- हम सरकार की मंशा पर संदेह नहीं कर रहे, लेकिन अखबारों में चीता विशेषज्ञों की उन रिपोर्ट पर ध्यान न देने से चिंतित हैं, जिसमें वे केंद्र को चीतों के लिए एक से अधिक हैबिटेट बनाने के लिए चेता रहे हैं।

चीतों के दूसरे घर के लिए तैयार करें गांधीसागर सेंचुरी- नौरादेही

भोपाल में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने गुरुवार को चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उन्होंने चीतों के लिए मंदसौर के गांधी सागर और सागर के नौरादेही को जल्दी तैयार करने के निर्देश दिए। वन अफसरों ने बताया कि गांधीसागर में चेनलिंक फेसिंग के लिए टेंडर जारी हो गए हैं। ष्टस्न ने इसे 6 माह में पूरा करने को कहा। वन अफसरों ने बताया कि कूनो में 2 मादा चीता गर्भवती हैं। इनकी डिलीवरी जून में हो सकती है। इन्हें बच्चों समेत बड़े बाड़ों में रखना होगा। इसके लिए अतिरिक्त स्टाफ की जरूरत होगी।

मप्र में बारिश के दो सिस्टम फिर एक्टिव, मई के आखिरी तक ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश में बारिश के दो सिस्टम फिर एक्टिव हो गए हैं। इस कारण प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदला हुआ है। हवा की स्पीड भी काफी तेज है। कई जिलों में यह 60 किमी प्रतिघंटा से भी ज्यादा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि नमी से लोकल सिस्टम भी बना है, जिससे आंधी-बारिश हो रही है। मई महीने के आखिरी तक ऐसा ही मौसम रहेगा। नौतपा की शुरुआत के तीन-चार दिन भी हल्की बारिश हो सकती है। नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को रीवा और सागर संभाग के जिलों के साथ टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर में हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, भोपाल संभाग के जिलों के अलावा दतिया, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, जबलपुर, सागर, सीधी, सिंगरौली, दमोह, नरसिंहपुर, सिवनी और कटनी में भी हल्की बारिश हो सकती है। यहां 30 से 40च्यद्ब प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि प्रदेश में पिछले कुछ दिन से गरज-चमक की स्थिति बनी रही। इसकी वजह जम्मू-कश्मीर के ऊपर वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और ट्रफ लाइन विदर्भ से तमिलनाडु तक गुजरना रहा। इस कारण मध्यप्रदेश में बारिश हो रही थी। अभी उत्तर भारत में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव है। वहीं, नया सिस्टम ईस्ट यूपी के ऊपर साइकोनिक सल्कुर्लेशन के रूप में है। एक ट्रफ लाइन ईस्ट एमपी और विदर्भ होते हुए तेलंगाना तक गुजर रही है। इस कारण एमपी में नमी है। लोकल सिस्टम के एक्टिव होने से भी

दोपहर बाद बादल छा रहे हैं। आगामी कुछ दिन तक यह स्थिति बनी रहेगी।

नौतपा की शुरुआत के तीन-चार दिन बारिश के आसार- मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि 23 मई से एक और सिस्टम एक्टिव हो रहा है, जो 27-28 मई तक एक्टिव रह सकता है। इस कारण हल्की बारिश और बादल छाए रहेंगे। 25 मई से नौतपा की शुरुआत भी हो रही है। अनुमान है कि नौतपा के शुरुआत तीन-चार दिन तक प्रदेश में बारिश होगी।

भोपाल में 21-22 मई को गर्मी का असर

भोपाल में 19 और 20 मई को बादल छाए रहेंगे। दोपहर बाद हल्की बारिश भी हो सकती है। इसके बाद दो दिन यानी 21 और 22 मई को मौसम साफ रहेगा। 23 मई से फिर मौसम बदलेगा और बारिश-बादल का दौर रहेगा।

टीकमगढ़ में पारा 44 डिग्री

इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला सा रहा। दोपहर तक तेज गर्मी रही तो इसके बाद बादल छा गए। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, टीकमगढ़ में पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, भोपाल में 40.8, इंदौर में 39.7, जबलपुर में 39.6 और ग्वालियर में 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा धार में 40.8, गुना में 41.5, खजुराहो में 42.6, खंडवा में 41.5, मंडला में 40.2, पचमढ़ी में 34, रीवा में 41.7, सागर में 39.5, सतना में 41, बैतूल में 38.5, शिवपुरी में 41, उज्जैन में 40 और उमरिया में पारा 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।